सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

वर्ष-01 अंक-08 दुर्ग, शुक्रवार 23 जनवरी 2026 पृष्ठ 08 मूल्य -2 रुपए, संपादक आलोक तिवारी PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

जनजातीय डिजिटल संग्रहालय का भव्य प्रदर्शन, राष्ट्रीय रंगशाला कैंप में प्रेस प्रीव्यू का आयोजन

कर्तव्य पथ पर छत्तीसगढ़ की झांकी में जीवंत होगी जनजातीय वीरों की गाथा

विशेष संवाददाता/नई दिल्ली

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर निकलने वाली छत्तीसगढ़ की झांकी इस वर्ष देशवासियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनने जा रही है। ह्लस्वतंत्रता का मंत्र झ वंदे मातरम्ह्व थीम पर आधारित यह झांकी जनजातीय वीर नायकों को समर्पित देश के पहले डिजिटल संग्रहालय की गौरवगाथा को भव्य रूप में प्रस्तुत करेगी।

रक्षा मंत्रालय द्वारा आज राष्ट्रीय रंगशाला कैंप में आयोजित प्रेस प्रीव्यू के दौरान राष्ट्रीय मीडिया के समक्ष छत्तीसगढ़ की झांकी का प्रदर्शन किया गया। झांकी के माध्यम से उन अमर जनजातीय नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई है, जिन्होंने ब्रिटिश

और स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। इन महान बलिदानियों की स्मृति में नवा रायपुर संग्रहालय स्थापित किया गया है, जहां छत्तीसगढ़ सहित देश के 14 प्रमुख

झांकी में उकेरे गए प्रेरणादायी दृश्य

झांकी के अग्र भाग में वर्ष 1910 के ऐतिहासिक भूमकाल विद्रोह के नायक वीर गुंडाधुर को दशार्या गया है। धुर्वा समाज के इस महानायक ने अन्याय के विरुद्ध जनजातीय समाज को एकजुट किया। भूमकाल विद्रोह के प्रतीक आम की टहनियां और सूखी मिर्च झांकी में विशेष रूप से प्रदर्शित हैं। विद्रोह की व्यापकता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि अंग्रेजों को नागपुर से सेना बुलानी पड़ी, फिर भी वे वीर गुंडाधुर को पकड़ने में असफल रहे।

है।

झांकी के पृष्ठ भाग में छत्तीसगढ़ के प्रथम शहीद वीर नारायण सिंह को घोड़े पर सवार, हाथ में तलवार लिए दशार्या गया है। उन्होंने अकाल के

तथा 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाई। पूरी झांकी जनजातीय समाज के अटूट संकल्प को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त करती है।

फास्टकालम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने की सौजन्य मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु/ रायपुर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने शॉल और प्रतीक चिन्ह नंदी भेंट कर हरिवंश का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि हरिवंश आज पुरखौती मुक्तांगन में आयोजित रायपुर साहित्य उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

नई दृष्टिबिंदु एक्सक्लूसिव इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट

रेंजर के कथित ऑर्डर से लेकर 'पुष्पा स्टाइल' ' से हो रही सागौन की तस्करी, वन विभाग की खुली पोल

'जंगल से ड्राइंग रूम तक' सागौन की कहानी'

आलोक तिवारी/ भिलाई-बालोद

छत्तीसगढ़ में जंगलों की सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी संभालने वाला वन विभाग खुद संदेह के घेरे में आ गया है। सागौन की अवैध कटाई, तस्करी और सरकारी लकड़ी के निजी उपयोग से जुड़े मामलों ने विभागीय दावों की पोल खोल दी है।

एक ओर फर्नीचर बनवाने के लिए कथित तौर पर अफसरों के ऑर्डर, तो दूसरी ओर तांदुला नदी और नहर के रास्ते सागौन की तस्करी–दोनों ही मामलों ने राज्य स्तर तक हलचल मचा दी है।

'पुष्पा स्टाइल' तस्करी का पदार्फाश

इसी बीच हरठिमा जंगल क्षेत्र में वन विभाग की टीम ने 21 सागौन गोले बरामद किए, जो तांदुला नदी में बहाकर हरार्ठेमा नहर के पानी में डुबोकर छिपाए गए थे।

तस्करी का यह तरीका बिल्कुल फिल्मी अंदाज जैसा बताया जा रहा है कि– पहले जंगल में कटाई, फिर नदी के जरिए बहाव और अंत में नहर में डुबोकर छिपाना है।

जहां लकड़ी मिली, उसी क्षेत्र में रेत खदान का संचालन भी हो रहा था, जिससे पूरे नेटवर्क पर सवाल और गहरे हो गए हैं।

विभिन्न स्थलों का निरीक्षण

संबंधित व्यक्तियों के बयान, दस्तावेज और फोटोग्राफ संकलन किया जा चुका है।

पहली नजर में टैक्स चोरी का अंदाजा

** 'डिवीजन में बुलाकर रेंजर साहब ने एक डायनिंग टेबल और दो ड्रेसिंग टेबल बनाने को कहा था।*
** लकड़ी वही लोग लाकर दिए, काम हुआ और भुगतान भी किया गया।'*
** इस बयान के बाद सवाल उठ रहे हैं कि सरकारी सागौन निजी फर्नीचर में कैसे तब्दील हुई?*
** यदि यह तथ्य सही पाए जाते हैं, तो यह मामला सिर्फ अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग और सिस्टम की मिलीभगत का बन जाता है।*

नई दृष्टिबिंदु का सवाल

जब जंगलों की रखवाली करने वाला तंत्र ही सवालों के घेरे में हो, तो
?? जंगल कितने सुरक्षित हैं?
?? क्या सागौन की तस्करी यूं ही चलती रहेगी?
अब निगाहें राज्य स्तरीय जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं, जो तय करेगी कि यह मामला सिर्फ लापरवाही है या संगठित तस्करी और प्रशासनिक संरक्षण की बड़ी कहानी। जांच जारी है।

अफसरों के बयान और सिस्टम की खामोशी

मामले में पूछताछ के दौरान कई सवाल अब भी अनुत्तरित हैं– लकड़ी कब और किसके आदेश पर लाई गई? चालान और दस्तावेज कहां हैं? उड़नदस्ता वाहन कहां-कहां गया? जवाबों में अस्पष्टता और चुप्पी ने संदेह को और गहरा कर दिया है।

वन विभाग का पक्ष

वन मंडल अधिकारी का कहना है कि राज्य स्तरीय उड़नदस्ता टीम की रिपोर्ट के आधार पर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, जनता के बीच यह सवाल गूंज रहा है कि– ?? क्या कार्रवाई वास्तव में होगी, या मामला फाइलों में दबा दिया जाएगा?

जांच के घेरे में अधिकारी-कर्मचारी

शिकायतों के अनुसार डौंडी परिक्षेत्र के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। हालांकि, जांच पूरी होने से पहले अधिकारी खुलकर कुछ कहने से बच रहे हैं। राज्य स्तरीय उड़नदस्ता टीम द्वारा–

फर्नीचर मार्ट संचालक का चौंकाने वाला बयान

सिवनी क्षेत्र के एक फर्नीचर मार्ट संचालक ने जांच के दौरान जो बयान दिया है, उसने पूरे मामले को नई दिशा दे दी है। संचालक के अनुसार–

त्वरित टिप्पणी

छत्तीसगढ़ पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल, कई अफसरों के तबादले

संजीव शुक्ला बने रायपुर के पहले पुलिस आयुक्त

नई दृष्टिबिंदु/ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन गृह (पुलिस) विभाग ने बड़े प्रशासनिक फेरबदल करते हुए भारतीय पुलिस सेवा (IPS) के कई वरिष्ठ अधिकारियों की नवीन पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश 22 जनवरी 2026 को जारी किया गया, जिसके तहत राज्य के कई महत्वपूर्ण जिलों और रायपुर नगरीय पुलिस व्यवस्था में व्यापक बदलाव किया गया है।

इस फेरबदल में डॉ. संजीव शुक्ला (भापुसे-2004) को पुलिस आयुक्त, रायपुर नगरीय नियुक्त किया गया है, जबकि कई रेंज आईजी, एसएसपी और पुलिस उपायुक्त स्तर के अधिकारियों को नई जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं।

तबादला आदेश के अनुसार

रामगोपाल को आईजी बिलासपुर रेंज
अभिषेक शांडिल्य को आईजी दुर्ग रेंज
बालाजी राव सोमावार को आईजी राजनांदगांव रेंज
अमित तुकाराम कांबले को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, रायपुर नगरीय
लाल उमेद सिंह को एसएसपी जशपुर
शशि मोहन सिंह को एसएसपी रायगढ़
दिव्यांग पटेल को एसपी रेल, रायपुर
उमेश प्रसाद गुप्ता को पुलिस उपायुक्त (मध्य), रायपुर
संदीप पटेल को पुलिस उपायुक्त (पश्चिम), रायपुर

सहित कई अन्य आईपीएस अधिकारियों को नई पदस्थापना दी गई है।

सरकार के इस बड़े प्रशासनिक कदम को कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने तथा पुलिसिंग सिस्टम को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

राज्यपाल के नाम से जारी आदेश पर सचिव गृह (पुलिस) विभाग ने हस्ताक्षर किए हैं और सभी नियुक्तियाँ आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से प्रभावी रहेंगी।

भिलाई स्टील प्लांट में बड़ा एक्शन-35 ठेकेदार प्रतिबंधित, 21 जॉब निलंबित

फर्जीवाड़ा, धांधली और श्रमिक शोषण पर बीएसपी प्रबंधन का करारा प्रहार

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) में वर्षों से चल रहे फर्जीवाड़े, धांधली और श्रमिक शोषण पर आखिरकार बड़ी कार्रवाई हुई है। बीएसपी प्रबंधन ने अनुबंध कार्यों में गंभीर अनियमितताओं को लेकर 56 ठेकेदारों पर कड़ा एक्शन लिया है।

35 ठेकेदारों को प्रतिबंधित (बैन) किया गया है 10 ठेकेदारों को निलंबित (सस्पेंड) किया गया है जिनके 21 कार्य (जॉब) तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए हैं

यह कार्रवाई फर्जी दस्तावेज, धोखाधड़ी, मजदूरी व बोनस भुगतान में अनियमितता, अनधिकृत सामग्री उठाव, घटिया सामग्री आपूर्ति और खराब प्रदर्शन जैसे गंभीर आरोपों के आधार पर की गई है।

निलंबित किए गए ठेकेदारों में– एम/एस एमएपी एनर्जी, एम/एस हितेश भाई पटेल, एम/एस सी.बी. पटेल, एम/एस हाइफन केबल्स प्राइवेट लिमिटेड, एम/एस कंप्यूटर एंड नेटवर्क्स सर्विसेज, एम/एस थर्मोटेक सहित कुल 21 मामलों में अलग-अलग अवधि के लिए निलंबन लगाया गया है। मुख्य कारण रहे–फर्जी मजदूरी प्रमाण, बोनस उल्लंघन, घटिया सामग्री आपूर्ति और फर्जी बैंक दस्तावेज।

प्रतिबंधित 35 ठेकेदार – नाम सार्वजनिक

बीएसपी द्वारा जिन ठेकेदारों पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें– एच. सोनी हॉलीडेज, एसबी ट्रेवल्स एंड सर्विसेज, भिलाई टूर्स एंड ट्रेवल्स, श्री वधर्मान सेल्स जैसे नाम शामिल हैं, जिन पर आजीवन प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा एस्कॉर्ट एलिवेटर्स, सुधांशु ब्रदर्स, टेक्नो पावर, जसलीन बिल्ड प्रोजेक्ट्स शिवाय स्टील ट्रेड, बटक स्टील्स, डिजिटल ऑटोमेशन सहित कई ठेकेदारों पर 2 से 3 वर्ष तक का प्रतिबंध लगाया गया है।

कई ठेकेदारों पर आजीवन प्रतिबंध

बीएसपी प्रबंधन के अनुसार, जिन ठेकेदारों ने प्लांट को आर्थिक नुकसान पहुंचाया और सुनियोजित धोखाधड़ी की, उन पर आजीवन प्रतिबंध (लाइफटाइम बैन) लगाया गया है। वहीं अन्य ठेकेदारों पर 1 से 3 वर्ष तक का प्रतिबंध लागू किया गया है।
निलंबित ठेकेदारों के मामलों में जांच पूरी होने तक किसी भी प्रकार के कारोबारी लेनदेन पर रोक रहेगी।

श्रमिकों के हक से खिलवाड़ पड़ा भारी

कार्रवाई के केंद्र में वे ठेकेदार रहे, जिन पर– न्यूनतम वेतन और बोनस का भुगतान नहीं करना मजदूरी भुगतान में लगातार देरी फर्जी बैंक स्टेटमेंट और फर्जी चेक फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र और कार्य-पूर्णता प्रमाणपत्र एसडीसी, पीएफ और ओईएम दस्तावेजों में हेरफेरजैसे गंभीर आरोप प्रमाणित हुए हैं। बीएसपी सूत्रों के मुताबिक, श्रमिकों के शोषण और फर्जी कागजी खेल को अब किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संदेश साफ — अब नहीं चलेगा कागजों का खेल

भिलाई स्टील प्लांट की इस कार्रवाई को अब तक की सबसे बड़ी अनुबंधीय सख्ती माना जा रहा है। प्रबंधन ने साफ संकेत दे दिया है फर्जीवाड़ा, भ्रष्टाचार और श्रमिक शोषण करने वालों के लिए बीएसपी में कोई जगह नहीं है। इस फैसले के बाद प्लांट के ठेका तंत्र में हड़कंप मच गया है और अन्य ठेकेदारों में भी डर और सख्ती का माहौल है। अब सवाल यह है–ॅ क्या यह कार्रवाई ठेका सिस्टम को सचमुच साफ करेगी, या यह सिर्फ शुरुआत है?

हरिओम टीएमटी में करोड़ों की टैक्स चोरी! चार दिन चली जीएसटी रेड, दस्तावेज जब्त

नई दृष्टिबिंदु/ दुर्ग

छत्तीसगढ़ के औद्योगिक जगत में हरिओम इन्गोट्स एंड पावर लिमिटेड कंपनी पर चल रही जीएसटी जांच ने सनसनी फैला दी है। चार दिन तक चली टीम की कार्रवाई के बाद कंपनी के दस्तावेज, कंप्यूटर और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री जब्त कर ली गई है।

जांच का आलम और पार्टनरों की हालत

* 19 जनवरी से शुरू हुई कार्रवाई के दौरान तीनों पार्टनर सतर्क हो गए।
* संदीप अग्रवाल मुंबई में हैं और टीम से बचने का प्रयास कर रहे हैं।
* भगवान दास अग्रवाल अस्पताल में भर्ती हैं और पत्र के जरिए अधिकारियों को अपनी अनुपस्थिति की जानकारी दी।
* तीसरा पार्टनर कार्रवाई के दौरान स्थानीय स्तर पर मौजूद था।
* इस बीच कंपनी ने प्रोडक्शन बंद कर मेंटेनेंस मोड में काम करना शुरू कर दिया, ताकि जांच में असुविधा कम हो।

मुंबई ब्रांच और टैक्स का खेल

सूत्रों के अनुसार कंपनी की मुंबई ब्रांच समुद्री तटीय क्षेत्रों के लिए टीएमटी पर विशेष पेंटिंग और सॉल्टी ऑक्सीजन मानक के अनुसार उत्पादन करती है। इस अतिरिक्त प्रक्रिया की लागत जीएसटी अधिकारियों के अनुसार रिकॉर्ड से छुपाई गई।

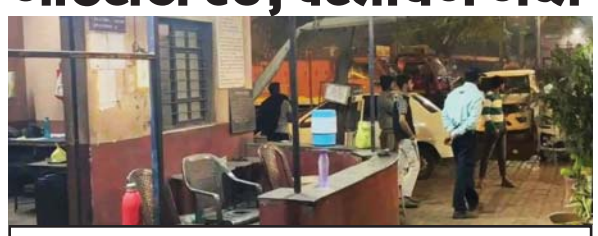

पहली नजर में टैक्स चोरी का अंदाजा

कंपनी ने पिछले वर्षों में 10-15 करोड़ रुपए तक टैक्स चोरी करने का अनुमान लगाया जा रहा है।
औद्योगिक इकाई होने के बावजूद निर्माण और खपत संबंधी कोई दस्तावेज नहीं मिला।
केवल खरीदी-बिक्री का सॉफ्टवेयर रिकॉर्ड उपलब्ध था, जिसमें वर्षांत में मैनुअल एंट्री की जाती है।
स्टॉक और उत्पादन रिकॉर्ड पूरी तरह गायब।
जांच में यह भी सामने आया कि कंपनी की बिजली खपत मानक से कहीं अधिक है। अधिकारियों का कहना है कि स्पंज आयरन और टीएमटी निर्माण वाली कंपनी में बिजली खपत का एक तय मानक होता है।

जांच के बाद टैक्स की राशि बढ़ सकती है

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जांच पूरी होने के बाद टैक्स की वास्तविक राशि और बढ़ सकती है, क्योंकि
उत्पादन और खपत के रिकॉर्ड गायब हैं
बिजली खपत मानक से अधिक है
मुंबई ब्रांच के विशेष प्रोडक्शन के खर्च को ठीक से दिखाया नहीं गया
हरिओम टीएमटी में मिलीभगत और रिकॉर्ड फजीवाड़े के संकेत अधिकारियों को गंभीर चिंता में डाल रहे हैं।
चार दिन की रेड और दस्तावेज जब्ती ने यह साफ कर दिया है कि कर चोरी की कोई छोटी घटना नहीं, बल्कि यह कंपनी स्तर पर व्यवस्थित खेल है।
> अब सवाल यह है: क्या इस रेड के बाद कर चोरी के सारे राज खुल पाएंगे, या भागते पार्टनर और गुम दस्तावेज कंपनी को राहत देंगे?

वर्क आर्डर जारी होने के साल भर बाद भी नहीं शुरू हुआ काम

केनाल रोड के प्रस्ताव ने रोका गांधी नगर के जर्जर सड़क का रिनिवल

जगह - जगह दरार पड़ने से गिरकर घायल हो रहे दुपहिया चालक

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

भिलाई - चरोदा नगर निगम के ड्रीम प्रोजेक्ट केनाल रोड ने वार्ड 15 और 13 से गुजरने वाली जर्जर सड़क के रिनिवल पर रोड़ा लगा दिया है। केनाल रोड का प्रस्ताव फ्लिहाल प्रक्रियाधीन है। लेकिन इसके चलते साल भर पहले वर्क आर्डर जारी होने के बावजूद केनाल के समानांतर बने डामरीकृत सड़क का नवीनीकरण शुरू नहीं हो सका है। नतीजतन सड़क पर जगह-जगह दरारें होने से दुपहिया वाहन चालक गिरकर घायल हो रहें हैं।

भिलाई-3 में सिरसा रेलवे अण्डरब्रिज से गांधी नगर के अंतिम छोर तक नहर के

समानांतर बनी सड़क जगह-जगह दरारें उभरने से जर्जर हो चली है। इससे खासकर दुपहिया वाहन चालकों को खतरों से खेलकर आवाजाही करनी पड़ रही है। दिन के उजाले में तो वाहन चालक दरारों से बचकर निकल जाते हैं। लेकिन रात के समय अंधेरे में पहिया के दरारों पर से गुजरने पर दुपहिया वाहन चालक अनियंत्रित होकर गिरने से घायल हो रहें हैं। ऐसा नहीं कि नगर निगम भिलाई - चरोदा ने इस सड़क के नवीनीकरण के प्रति कोई संजीदगी नहीं दिखाई। इसके लिए बाकायदा निविदा प्रक्रिया पूरी कर संबंधित एजेंसी को वर्क आर्डर जारी किया गया है। लेकिन साल भर बाद भी एजेंसी ने काम ही शुरू नहीं किया। लिहाजा दिन ब दिन सड़क की हालत बद से बद्तर होने लगी है।

बताया जा रहा है कि नगर निगम के द्वारा केनाल रोड के अपने ड्रीम प्रोजेक्ट के चलते गांधी नगर की इस अहम सड़क के नवीनीकरण के स्वीकृत कार्य को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। जबकि नहर के समानांतर सिरसा रेलवे अण्डरब्रिज के पास अग्रवाल ट्रेडर्स से गैलेक्सी चौक तक बीटी रोड रिनिवल के लिए 8 नवंबर 2024 को निविदा आमंत्रित की गई थी। निविदा प्रक्रिया पूरी करने के बाद 25 फरवरी 2025 मेसर्स भुवन कंस्ट्रक्शन इस्पात नगर रिसाली भिलाई को 18 लाख 60023 रुपए की लागत से कार्यादेश जारी किया गया था। संबंधित ठेका एजेंसी को यह कार्य कार्यादेश जारी होने के 6 महीने में पूरा करना था। लेकिन साल भर में काम शुरू नहीं किया गया। इसका आश्चर्यजनक कारण सामने आ रहा है। नगर निगम सूत्र बताते हैं कि चूंकि निकट भविष्य में केनाल रोड का निर्माण होना है। केनाल रोड बनने से दोनों तरफकी पुरानी सड़क प्रभावित होगी। इसलिए अधिकारी नहीं चाहते कि नहर के किनारे बनी पुरानी सड़क के नवीनीकरण में बड़ी राशि खर्च किया जाए।

अगर इस बात में सच्चाई है तो फिर निगम प्रशासन द्वारा केनाल रोड का प्रस्ताव लंबित होने के बावजूद पुरानी सड़क के नवीनीकरण का प्रस्ताव बनाकर उसे स्वीकृत देने और निविदा प्रक्रिया पूरी कर कार्यादेश जारी करने की नौटंकी किसलिए की गई। इससे गांधी नगर और बजरंग पारा वार्ड के पार्षदों की स्थिति भी हास्यास्पद हो गई है, जिन्होंने जनता के बीच साल भर पहले अपनी उपलब्धि के रूप में सड़क का नवीनीकरण कार्य शीघ्र शुरू हो जाने का ढिंढोरा पीटा था।

हजारों लोगों को हो रही परेशानी - लावेश

पूर्व पार्षद लावेश मदनकर ने कहा कि केनाल रोड का निर्माण कब होगा यह पता नहीं, लेकिन इसके चलते पुरानी सड़क के कार्यादेश जारी हो नवीनीकरण को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाना समझ से परे है। सड़क की हालत खस्ता होने से गुजरने वाले हजारों लोगों को परेशानी हो रही है। यह सड़क सिरसा चौक के पास से शुरू होकर गांधी नगर से रेलवे कालोनी होकर गुजरती है। फ्लेरलेन सड़क के भीड़ भाड़ से बचने अनेक लोग सिरसा चौक के पास से इसी सड़क में आकर रेलवे स्टेशन और वहां से फ्लेरलेन पकड़कर आगे की सुरक्षित आवाजाही करते हैं। ऐसे में केनाल रोड जब बनेगा, तब बनकर रहेगा। लेकिन इसके लिए जनहित में जरुरी पुराने सड़क का नवीनीकरण नहीं रोका जाना चाहिए।

डबरा पारा में हुआ आयुष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

बीते 19 जनवरी को संचालनालय आयुष एवं जिला आयुष कार्यालय दुर्ग के मार्गदर्शन मे आयुष स्पे क्लिनिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई 3 द्वारा नि:शुल्क आयुष स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता शिविर दुर्गा मंच डबरा पारा दक्षिण में किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि तुलसी ध्रुव पार्षद द्वारा धन्वंतरी पूजन से किया गया। स्वागत समारोह के पश्चात शिविर में लगभग 236 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं दुलेश्वर यादव स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा 48 शुगर 59 का बीपी 16 का सिकलिंग जांच किया गया। शिविर मे योग वेलनेस सेटर संचालक डॉ आकांक्षा मिश्रा द्वारा आहार विहार और योग की जानकारी दी गयी। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ नितिन कश्यप द्वारा मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया गया। शिविर में पार्षद तुलसी ध्रुव, मितानिन श्रीमती ईश्वरी पटवा.भागवती साहू, पंचबती निषाद, ममता वैष्णव, सुमन साहू.सुरुज जांगडे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मोनिका यादव, गीता देवांगन ने सक्रिय सहयोग दिया।शिविर मे फार्मासिस्ट विनय कुमार निर्मलकर औषधालय सेवक जय सिंह कोठारी, पी टी एस गजाधर वर्मा ने अपनी सक्रिय सेवाएं दी। शिविर प्रभारी डॉ अर्पिता शर्मा ने जन समुदाय से आयुर्वेद को अपनाकर जीवन को स्वस्थ्य और निरोग रहने का संदेश देते हुए सभी का आभार प्रकट किया।

अवैध मांस-मटन दुकान को निगम ने किया बेदखल

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के प्रात: निरीक्षण में खुले में अवैध रूप से दुकान लगाकर मांस-मटन विक्रय करते पाया गया। निगम क्षेत्र में अवैध दुकान संचालित कर मांस-मटन विक्रय प्रतिबंधित किया गया है, उसके बाद भी मुख्य चौराहे पर कटिंग कर बेचा जा रहा था। जोन-3 सुभाष चौंक में अवैध रूप से दुकान लगाकर खुले में मांस-मटन विक्रय किया जा रहा था। निगम आयुक्त के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के उपस्थिति में मांस-मटन किये जा रहे दुकानों पर बेदखली कार्यवाही की गई। लगाये गये बांस-बल्ली को जे.सी.बी. से तोड़कर जप्त किया गया।

भिलाई चरोदा महापौर निर्मल कोसरे ने की शहर वासियों से अपील

नगर की सफाई स्वच्छता रैंकिंग को बढ़ाने नागरिकों से मांगा सहयोग

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

नगर निगम भिलाई 3 चरौदा महापौर निर्मल कोसरे एवं कमिश्नर डी.एस.राजपूत के निर्देशानुसार भिलाई 03 चरौदा शहर की स्वच्छता रैंकिंग और सुदृढ़ बनाने विभागीय अमले द्वारा काम किया जा रहा है ।

इस उद्देश्य से निगम स्वास्थ्य सफाई विभाग द्वारा संपूर्ण क्षेत्र में प्रतिदिन कचरा संग्रहित करने का कार्य किया जा रहा है ।गीला कचरा, सूखा कचरा अलग अलग एकत्र कर एस.एल.आर.एम.सेंटरो तक पहुंचाया जाता है ।जहाँ से संकलित की गयी सामग्री के निपटान एवं रिसाईकिल करने की कवायद की जाती है।

महापौर निर्मल कोसरे ने नगर वासियों से अपील करते हुए कहा कि बहुत बृहद क्षेत्र है भिलाई चरौदा का जिसमें ग्रामीण और शहरी बसाहट का मिश्रण है ।ऐसे में सीमित संसाधनों के माध्यम से निगम कर्मचारियो द्वारा हथखोज से लेकर गनियारी तक सभी 40 वार्डो में सफाई व्यवस्था की जाती है ।जिसके कारण जनता का सहयोग शहर की सुंदरता और सफाई के उत्कृष्ट मापदंड तक पहुचाने अपेक्षित है ।

निगम कमिश्नर डी.एस.राजपूत द्वारा सफाई अभियान में कसवाट लाने हेतु फ्लिड पर जाकर मौका मुआयना किया जा रहा है साथ ही आवश्यक दिशा निर्देश स्वच्छता निरीक्षक एवं टीम की प्रदाय किये जा रहे है । दिनांक 21 जनवरी 2026 को निगम अमले के द्वारा उरला वार्ड क्रमांक 30 से कुरूदडीह जाने वाले रोड पर भवन निर्माण सामग्री डालकर सड़क वाधित करने वालो पर जुर्माना लगाया गया है ।यहां बता दें कि इस प्रकार सड़क पर रेती-गिट्टी अथवा डिसमेंटल डालकर मार्ग अवरूद्ध करने वालो पर , खुले में कचरा जलाने वालों पर तथा रोड पर नियम विरूद्ध तरीके से कचरा फेकने और फैलाने वालों पर निगम प्रशासन द्वारा कड़ी और चलानी कार्यवाही की जायेंगी ।

अवैध मांस-मटन दुकान को निगम ने किया बेदखल

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के प्रात: निरीक्षण में खुले में अवैध रूप से दुकान लगाकर मांस-मटन विक्रय करते पाया गया। निगम क्षेत्र में अवैध दुकान संचालित कर मांस-मटन विक्रय प्रतिबंधित किया गया है, उसके बाद भी मुख्य चौराहे पर कटिंग कर बेचा जा रहा था।

जोन-3 सुभाष चौंक में अवैध रूप से दुकान लगाकर खुले में मांस-मटन विक्रय किया जा रहा था।

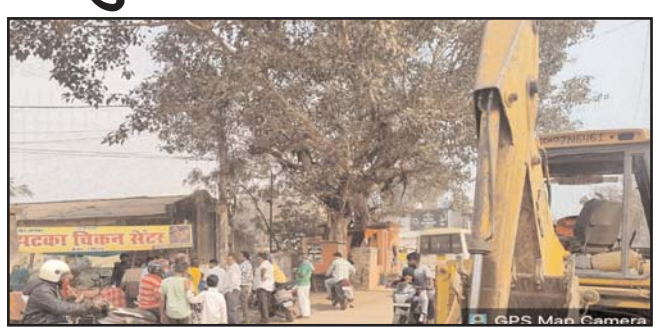

निगम आयुक्त के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के उपस्थिति में मांस-मटन किये जा रहे दुकानों पर बेदखली कार्यवाही की गई। लगाये गये बांस-बल्ली को जे.सी.बी. से तोड़कर जप्त किया गया। दुकान संचालक को समझाइस भी दिया गया है कि कहीं भी खुले में दुकान न लगाये। कार्यवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक चुड़ामणी यादव सहित बेदखली टीम उपस्थित रहे।

300 शासन को भेजे जाने वाले प्रस्ताव पर लगी एमआईसी की मुहर

भिलाई-चरोदा निगम के विभिन्न वार्डों में 9 .34 करोड़ की लागत से होंगे विकास कार्य

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

भिलाई-चरोदा निगम के विभिन्न वार्डों में 9.34 करोड़ की लागत से विकास के नए कार्य होंगे। मंगलवार को महापौर निर्मल कोसरे की अध्यक्षता में आहुत महापौर परिषद की बैठक में शासन को भेजे जाने वाले प्रस्ताव पर सहमति की मुहर लग गई। बैठक में सबसे पहले निगम सचिव अश्विनी चंद्राकर द्वारा सभी सदस्यों की बैठक के एजेंडा की जानकारी से अवगत कराया।

महापौर परिषद के सभी सदस्यों से चर्चा करते हुए निगम महापौर श्री कोसरे के द्वारा निम्नानुसार विषयों पर निगम कमिश्नर डीएस राजपूत को अग्रिम कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। जिसमें निगम क्षेत्र के उत्तर वसुंधरा नगर में स्थित शापिंग काम्पलेक्स की उन दुकानों को किराये पर दिये जाने का मुद्दा प्रमुख रहा जिनकी अभी तक ब्रिकी की नहीं हुई है। दूसरे क्रम पर निगम क्षेत्र में अवस्थित सभी मंगल भवनों और मिलेट कैफे को किराये पर दिये जाने संबंधी निविदा आमंत्रण प्रक्रिया साथ ही उरला वार्ड क्रमांक-30 में डोम शेड निर्माण कार्य के प्रस्ताव को मंजूर किया गया। बैठक में सिरसा गेट भिलाई-3 में नवनिर्मित तरणताल को भी किराये पर दिये जाने निर्णय लिया गया। बैठक में एमआईसी सदस्य मोहन साहू, ईश्वर साहू, मनोज कुमार, डी. वेंकट रमना, एम. जॉनी, श्रीमती दीप्ति आशीष वर्मा, श्रीमती संतोषी निषाद, श्रीमती देवकुमारी भलावी के साथ निगम के अधिकारी कार्यपालन अभियंता रवि सिन्हा, सहा.ग्रेड-2 राजू वर्मा, लिपिक अविनाश चन्द्राकर और जन सम्पर्क प्रभारी विकास चन्द्र त्रिपाठी मौजूद रहें।

2 दिन बंद रहेगी मांस-मटन की दुकानें

भिलाई । *छत्तीसगढ़ शासन पर्यावरण एवं नगरीय विकास विभाग के आदेशानुसार नगर पालिक निगम, भिलाई सीमा अंतर्गत संचालित पशुवध गृह एवं समस्त मांस, मटन विक्रय की दुकानें 26 जनवरी गणतंत्र दिवस एवं 30 जनवरी महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर बंद रखी जाएगी। उक्त तिथि को समस्त पशुवध गृह, जीव हत्या एवं समस्त मांस बिक्री केन्द्र को बंद करते हुए शासन के आदेशों का कड़ाई से पालन किया जावे।*

वाहन चोरी, आरोपी गिरफ्तार

भिलाई । *प्रार्थी योगेश कुमार सेन द्वारा थाना सिटी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि गांधी चौक, दुर्ग गया था। मोटर सायकल खड़े किए गए स्थान से चोरी हो गई। रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। बस स्टैण्ड दुर्ग क्षेत्र में चोरी की मोटर सायकल बेचने हेतु ग्राहक तलाश रहे दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ एवं मेमोरण्डम कथन के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया।*

विकास और जनसुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर लगी मुहर

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर परिषद की महत्वपूर्ण बैठक आज महापौर नीरज पाल एवं अपर आयुक्त सह सचिव राजेन्द्र कुमार दोहरे की उपस्थिति में आहूत की गई। बैठक में जनहित, अधोसंरचना विकास और निगम की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने हेतु डामरीकरण, कचरा प्रबंधन और लीज भूखंडों के प्रयोजन परिवर्तन जैसे अहम विषयों पर गहन चर्चा के बाद कई प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा 30 वर्षीय लीज पर आवंटित भूखंडों के प्रयोजन परिवर्तन हेतु विधि अनुसार प्रक्रिया निर्धारण पर परिषद ने पुनर्विचार कर अपनी सहमति दे दी है। इससे लंबे समय से लंबित प्रकरणों का निराकरण हो सकेगा। जोन-3 के अंतर्गत वार्ड 31 बैकुण्ठधाम स्वागत द्वार से स्वास्थ्य कार्यालय तक और वार्ड 35 किशन चौक से पप्पू चौक होते हुए 1 नंबर पंप हाउस तक डामरीकरण कार्य को मंजूरी दी गई है, जिससे आवागमन सुगम होगा। एसएलआरएम सेंटर में कचरा पृथकीकरण और गीले कचरे से खाद बनाने के कार्य के साथ-साथ, 15 वें वित्त आयोग के 'मिलियन प्लस सिटी' योजना के तहत नए संसाधन वाहनों की खरीदी को स्वीकृति दी गई। जोन-2 वैशाली नगर स्थित खेल मैदान के बेहतर संचालन, प्रबंधन और संधारण की जिम्मेदारी निजी अथवा संस्थागत हाथों में सौंपने का निर्णय लिया गया है। नेहरू नगर वार्ड 4 के जी.ई. रोड स्थित गार्डन नंबर 1 से 4 के संचालन हेतु 'रुचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित करने के प्रस्ताव को सलाहकार समिति के समक्ष रखने का निर्णय लिया गया है। अवैध वाहन नीलामी और शहर में लावारिस एवं अवैध रूप से खड़े वाहनों की नीलामी तथा सुपेला एवं घासीदास नगर के सामुदायिक भवनों व शांति नगर दशहरा मैदान के खाली परिसर को किराये पर देने हेतु नए सिरे से प्रस्ताव तैयार कर अगली बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में निगम के नियमित एवं प्लेसमेंट कर्मचारियों के सेवा विस्तार और अन्य विभागीय विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में महापौर परिषद के सदस्य लक्ष्मीपति राजू, सीजू एंथोनी, संदीप निरंकारी, एकांश बंछोर, केशव चौबे, आदित्य सिंह, लालचंद वर्मा, चंद्रशेखर गंवई, रीता सिंह गेरा, नेहा साहू सहित कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, अनिल सिंह, अरविन्द शर्मा, राजस्व अधिकारी जे.पी. तिवारी, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली एवं अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोक ओवन विभाग में सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के कोल सेक्शन में सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत एक सुरक्षा रैली का आयोजन 19 जनवरी 2026 को किया गया। इस रैली का उद्देश्य कार्यस्थल पर मानवीय दृष्टिकोण आधारित सुदृढ़ सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देना तथा कर्मचारियों एवं श्रमिकों में सुरक्षा के प्रति साझा उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करना था।

सुरक्षा रैली का नेतृत्व मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसीडी) तुलाराम बेहेरा द्वारा किया गया। यह सुरक्षा रैली कोल

मोडेक्स से प्रारंभ होकर कोल हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी) क्षेत्र एवं बैटरी क्षेत्र से होते हुए कार्यालय परिसर में संपन्न हुई। रैली में विभिन्न सेक्शनों के कर्मचारियों एवं श्रमिकों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यस्थल सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

कार्यालय परिसर में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए तुलाराम बेहेरा ने कहा कि सुरक्षा केवल नियमों और प्रक्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोज़मर्रा के व्यवहार, आपसी देखभाल और सतर्कता से विकसित होने वाला एक मूल मूल्य है। उन्होंने कर्मचारियों से कार्य के दौरान सतर्क रहने, संभावित जोखिमों की समय पर पहचान एवं विश्लेषण करने तथा सुरक्षित कार्य पद्धतियों का कड़ाई से पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है ।

आयुक्त पर नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा का सीधा आरोप

101 रुपए लकड़ी योजना ठप, मुक्तिधाम में व्यवस्था फेल

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

भिलाई नगर पालिक निगम की बहुचर्चित और जनहितैषी 101 रुपए में लकड़ी उपलब्ध कराने की योजना आज पूरी तरह ठप पड़ी है। इस गंभीर मुद्दे को नगर निगम भिलाई के नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने उठाते हुए नगर निगम आयुक्त की कार्यप्रणाली पर संवेदनहीनता को उजागर करता है।

700 करोड़ का बजट, पर लकड़ी के लिए संकट

भोजराज सिन्हा ने सवाल उठाया कि–नगर निगम द्वारा हर वर्ष 600 से 700 करोड़ रुपए का बट पारित किया जाता है, इसके बावजूद केवल 60 लाख रुपए की लकड़ी व्यवस्था को बनाए रखने में निगम असफल क्यों है ? उन्होंने कहा कि यह योजना पूर्व मंत्री हेमचंद यादव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडे तथा पूर्व महापौर स्व. विद्यारतन भसीन के कार्यकाल में लागू की गई थी और पूरे प्रदेश में इसकी सराहना हुई थी।

इलेक्ट्रिक मशीन के बावजूद समस्या

रामनगर सहित शहर के मुक्तिधामों में इलेक्ट्रिक शवदाह मशीन स्थापित होने के बावजूद, तकनीकी सीमाओं के कारण शवदाह में चार घंटे से अधिक समय लग रहा है।

आयुक्त की भूमिका पर सवाल

भोजराज सिन्हा ने स्पष्ट कहा कि–यदि एजेंसी लकड़ी की आपूर्ति नहीं कर रही है तो आयुक्त द्वारा अब तक कोई दंडात्मक कार्रवाई क्यों नहीं की गई ? या फिर यह मान लिया जाए कि प्रशासनिक लापरवाही के चलते योजना को धीरे-

तीन माह से भुगतान नहीं

नेता प्रतिपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि योजना से जुड़े कर्मचारियों को दिसंबर माह से अब तक मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है। लिखित शिकायतों के बावजूद न तो एजेंसी पर कार्रवाई की गई और न ही अधिकारियों द्वारा कोई समाधान प्रस्तुत किया गया।

नेताप्रतिपक्ष की चेतावनी

नेता प्रतिपक्ष ने चेताया कि यदि 101 रुपए लकड़ी योजना को तत्काल पुनः प्रारंभ नहीं किया गया, तो भिलाई की जनता इसे कभी माफ नहीं करेगी।

गणतंत्र के अमृतकाल में साहित्य उत्सव का आयोजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

राजधानी रायपुर के नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन परिसर में आज रायपुर साहित्य उत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह का आयोजन विनोद कुमार शुक्ल मंडप में किया गया, जिसमें उपमुख्यमंत्री अरुण साव, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा की कुलपति डॉ. कुमुद शर्मा तथा सुप्रसिद्ध रंगकर्मी एवं अभिनेता मनोज जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय तथा छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

उद्घाटन अवसर पर अतिथियों के करकमलों से छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आधारित पुस्तिका, एक कॉफी टेबल बुक छत्तीसगढ़ राज्य के साहित्यकार, जे. नंदकुमार द्वारा लिखित पुस्तक नेशनल सेल्फहुड इन साइंस, प्रो. अंशु जोशी की पुस्तक लाल दीवारें, सफेद झूठ तथा राजीव रंजन प्रसाद की पुस्तक तेरा राज नहीं आएगा रे का विमोचन किया गया।

उप सभापति श्री हरिवंश ने अपने संबोधन की शुरूआत छत्तीसगढ़ के महान साहित्यकार स्वर्गीय विनोद कुमार शुक्ल को नमन करते हुए की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ी साहित्य की एक समृद्ध और प्राचीन परंपरा रही है तथा इस प्रदेश ने अपनी स्थानीय संस्कृति को सदैव मजबूती से संजोकर रखा है। रायपुर साहित्य उत्सव के आयोजन में अत्यंत रचनात्मक दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने कबीर के काशी से गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ के कवर्धा से भी उनका विशेष जुड़ाव रहा है। उप सभापति श्री हरिवंश ने कहा कि एक पुस्तक और एक लेखक भी दुनिया को बदलने की शक्ति रखते हैं। उन्होंने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि साहित्य समाज को दिशा देता है, आशा जगाता है, निराशा से उबारता है और जीवन जीने का साहस प्रदान करता है।

उपसभापति श्री हरिवंश ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि भारत आज स्टील, चावल उत्पादन और स्टार्टअप्स के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। देश की आत्मनिर्भरता से दुनिया को नई दिशा मिली है और इस राष्ट्रीय शक्ति के पीछे साहित्य की सशक्त भूमिका रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ प्रभु श्रीराम का ननिहाल है और इस पावन भूमि पर तीन दिवसीय रायपुर साहित्य उत्सव का शुभारंभ होना हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने देशभर से आए साहित्यकारों और साहित्य प्रेमियों का स्वागत करते हुए कहा कि रायपुर साहित्य उत्सव 2026 साहित्य का एक महाकुंभ है, जिसमें प्रदेश और देश के विभिन्न राज्यों से आए 120 से अधिक ख्यातिप्राप्त साहित्यकार सहभागिता कर रहे हैं। आयोजन के दौरान कुल 42 सत्रों में समकालीन सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विषयों पर गहन विमर्श होगा। यह समय गणतंत्र के अमृतकाल और छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष का है, इसी भाव के अनुरूप इस उत्सव का आयोजन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम की तुलना समुद्र मंथन से करते हुए कहा कि जिस प्रकार समुद्र मंथन में विष और अमृत दोनों निकले, उसी प्रकार स्वतंत्रता आंदोलन में हमारे सेनानियों ने विष रूपी कष्ट स्वयं सहकर आने वाली पीढ़ियों को आजादी का अमृत प्रदान किया। उन्होंने कहा कि हमारे अनेक स्वतंत्रता सेनानी लेखक, पत्रकार और वकील भी थे। माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा बिलासपुर जेल में रचित पुष्प की अभिलाषा जैसी रचनाओं ने देशवासियों को प्रेरित किया। माधवराव सप्रे की कहानी एक टोकरी भर मिट्टी को हिंदी की पहली कहानी माना जाता है।

मुख्यमंत्री ने पंडित लोचन प्रसाद पांडेय, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी और गजानन माधव मुक्तिबोध जैसे साहित्यकारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी स्मृतियों को सहेजना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। राजनांदगांव में त्रिवेणी संग्रहालय का निर्माण इसी भावना का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रायपुर साहित्य उत्सव के मंडपों को विनोद कुमार शुक्ल, श्यामलाल चतुर्वेदी, लाला जगदलपुरी और अनिरुद्ध नीरव जैसे महान साहित्यकारों को समर्पित किया गया है, जिन्होंने छत्तीसगढ़ की संस्कृति और साहित्य को नई पहचान दी। उन्होंने कहा कि कविता अन्याय के विरुद्ध प्रतिरोध करना सिखाती है और यही साहित्य की वास्तविक शक्ति है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में आयोजित काव्यपाठ कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि अटल जी कवि हृदय थे और उनकी कविताओं ने करोड़ों लोगों को प्रेरणा दी। ह्लहार नहीं मानूंगाङ्घ जैसी पंक्तियाँ आज भी जनमानस को संबल देती हैं।

मुख्यमंत्री ने इमरजेंसी काल के दौरान साहित्यकारों की भूमिका को रेखांकित करते हुए दुष्यंत कुमार की प्रसिद्ध पंक्तियों का उल्लेख किया और कहा कि आज जब बड़ी संख्या में युवा साहित्यप्रेमी इस उत्सव में शामिल हो रहे हैं, तब यह स्पष्ट होता है कि प्रदेश में साहित्य का वातावरण उजला और सशक्त है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह तीन दिवसीय आयोजन एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। इस अवसर पर उन्होंने स्वर्गीय सुरेंद्र दुबे को भी नमन किया।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बसंत पंचमी के पावन अवसर पर आयोजित इस उत्सव को साहित्य का महाकुंभ बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती ने हिंदी साहित्य को अनेक महान पुरोधा दिए हैं। वहीं डॉ. कुमुद शर्मा ने कहा कि अमृतकाल में आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी का संकल्प हमारे उज्ज्वल भविष्य की नींव है। उन्होंने साहित्य को आत्मबोध और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त माध्यम बताया तथा भारत को मानवीय संस्कृति की टकसाल कहा। आयोजन के पश्चात अतिथियों एवं साहित्यकारों ने विभिन्न सत्रों में सहभागिता करते हुए समकालीन साहित्य, संस्कृति, लोकतंत्र और समाज से जुड़े विषयों पर विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान साहित्य प्रेमियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

नवपदस्थ दुर्ग रेंज के आईजी अभिषेक शांडिल्य ने किया पदभार ग्रहण

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

नवपदस्थ आईजी शांडिल्य ने किया पदभार ग्रहण भिलाई दुर्ग रेंज के नवपदस्थ आईजी अभिषेक शांडिल्य (भा.पु.से.) ने आज विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग द्वारा उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएँ दी गईं।

पदभार ग्रहण उपरांत अभिषेक शांडिल्य द्वारा उपस्थित अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर दुर्ग रेंज की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं समग्र पुलिसिंग से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। उन्होंने आम नागरिकों के प्रति संवेदनशील, निष्पक्ष एवं प्रभावी पुलिसिंग को प्राथमिकता देने की बात कही तथा बेहतर समन्वय एवं कार्यकुशलता पर विशेष जोर दिया।

इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री मणि शंकर चंद्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) सुश्री ऋचा मिश्रा सहित दुर्ग रेंज के समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहे।

भिलाई में 'बीरा जी के अंगना' सेवा संस्कार और समर्पण का बना मिसाल

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (छोटू) अपने स्वर्गीय पिता बीरा सिंह जी की स्मृति में जनसेवा के संकल्प को निरंतर साकार कर रहे हैं। इसी क्रम में कोहका, भिलाई में निर्मित विशाल डोम शेड 'बीरा जी के अंगना' का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है। परिसर में साइन बोर्ड स्थापित होते ही यह स्पष्ट हो गया कि यह केवल एक भवन नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण का स्थायी केंद्र होगा।

बताया गया कि 'बीरा जी का अंगना' समाज के हर वर्ग–गरीब, जरूरतमंद और मध्यमवर्गीय परिवारों–के लिए निःशुल्क समर्पित किया जा रहा है। यहां शादी-ब्याह, जन्मोत्सव, मरणोपरांत सामाजिक कार्यक्रम, रामायण पाठ, भागवत कथा सहित अन्य धार्मिक व सामाजिक आयोजन बिना किसी शुल्क के आयोजित किए जा सकेंगे।

26 जनवरी को होगा लोकार्पण और ध्वजारोहण

गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी 2026 (सोमवार) को प्रातः 10.30 बजे से आर्य नगर, कोहका, भिलाई में डोम शेड 'बीरा जी का अंगना' का भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया जाएगा। इसी अवसर पर 100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण भी किया जाएगा।

समिति की ओर से नगरवासियों से इस पावन अवसर पर उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने की अपील की गई है। आयोजन को समाज सेवा, समरसता और राष्ट्रप्रेम के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है।

सेवा का संकल्प

समिति अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (छोटू) ने कहा कि यह परिसर उनके पिताश्री की स्मृति में समाज को समर्पित है, ताकि 'बीरा जी का अंगना' से कोई भी निराश न लौटे। उन्होंने सभी नगरवासियों से परिवार के सदस्य की तरह उपस्थित रहने का आह्वान किया है।

फरार म्युल खाता धारक गिरफ्तार, केसीजी पुलिस की कार्रवाई

साइबर ठगी एवं अन्य आपराधिक स्रोतों से प्राप्त राशि के हेरफेर का खुलासा, पूर्व मे तीन मयूल खाताधारकों को गिरफ्तार कर भेजा गया था जेल

नई दृष्टिबिंदु/खैरागढ़

भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल से प्राप्त महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई पुलिस को साइबर धोखाधड़ी से संबंधित इनपुट प्राप्त हुआ। सूचना के त्वरित परीक्षण एवं विश्लेषण के उपरांत यह पाया गया, कि ऑनलाइन साइबर फ्रॉड से अर्जित करोड़ों रुपये की राशि विभिन्न म्युल खातों के माध्यम से स्थानांतरित की जा रही है। जांच के दौरान यह सामने आया कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र, शाखा खैरागढ़ के निम्नलिखित तीन खातों में साइबर ठगी से प्राप्त अवैध धनराशि जमा की गई थी।

यज्ञदत्त यादव, पिता मोती यादव, उम्र 29 वर्ष, निवासी खजरी, थाना घुमका, जिला राजनांदगांव, भोजराम वर्मा, पिता रामसिंह वर्मा, उम्र 29 वर्ष, नारद रजक, पिता जीतू रजक, उम्र 28 वर्ष, निवासी नवागांव कला, थाना खैरागढ़, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई उपरोक्त खातों में कुल 8,65,16,376/- (आठ करोड़ पैंसठ लाख सोलह हजार तीन सौ छिहत्तर रुपये) का संदिग्ध लेन-देन पाया गया।। जिससे यह प्रमाणित हुआ कि आरोपियों द्वारा अपने बैंक खातों का उपयोग अवैध धन के हेरफेर हेतु किया गया।।

इस संबंध में थाना खैरागढ़ में अपराध क्रमांक 519/25, धारा 317(2), 317(4), 318(4), 61(2)(अ) भा.न्याय.स. एवं 66-डी आईटी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। कार्रवाई का विवरण मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए एक विशेष अनुसंधान टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की सतत निगरानी एवं तलाश की गई।

मुखबिर की सूचना पर विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर उक्त तीनों म्युल खाता धारकों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने साइबर ठगी से प्राप्त राशि के हेरफेर में अपनी संलिप्तता स्वीकार की, जिसके पश्चात 15.11.2025 को उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था ।। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि प्रकरण में एक अन्य आरोपी चुरेन्द्र वर्मा, निवासी खजरी, थाना घुमका की भी संलिप्तता है।। आरोपी अपने सहयोगियों की गिरफ्तारी के पश्चात से फरार था तथा नाम-पता बदलकर रायपुर में छिपकर रह रहा था।

उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें आरोपी द्वारा अपराध स्वीकार करने एवम अपराध साक्ष्य पाय जाने पर विधिवत कार्यवाही कर न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। प्रकरण में अन्य संलिप्त आरोपियों की भूमिका के संबंध में विवेचना जारी है।।

मौत का प्लांट: स्पंज आयरन फैक्ट्री में ब्लास्ट से 6 मजदूरों की मौत, सुरक्षा इंतजामों पर बड़ा सवाल

नई दृष्टिबिंदु/बलौदाबाजार

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के बकुलाही इलाके में स्थित रियल स्टील स्पंज आयरन प्लांट गुरुवार सुबह एक भीषण औद्योगिक हादसे का गवाह बना। कोल किल्न (कोल भट्टी) में हुए जोरदार विस्फोट ने प्लांट को मौत के जाल में बदल दिया। अब तक 6 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो चुकी है, जबकि 5 मजदूर गंभीर रूप से झुलसे हुए हैं। सभी घायलों को बिलासपुर बर्न ट्रीटमेंट सेंटर रेफर किया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

कैसे हुआ हादसा: गर्म राख बनी मौत का कारण

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि डस्ट सेटलिंग चैंबर (ऊउ) से अत्यधिक गर्म राख (ऐश) ले जा रही पाइपलाइन में लीकेज हो गया। गुरुवार सुबह करीब 9.40 बजे अचानक हुए विस्फोट के बाद तपती राख नीचे काम कर रहे मजदूरों पर गिर पड़ी। कई मजदूर मौके पर ही बुरी तरह झुलस गए। धमाके के बाद पूरे इलाके में धुएं का काला गुबार छा गया, जिससे प्लांट में अफरा-तफरी मच गई।

बिहार के मजदूर बने हादसे का शिकार

कलेक्टर दीपक सोनी ने बताया कि मृतकों की पहचान आधार कार्ड के माध्यम से कर ली गई है। सभी मृतक बिहार के रहने वाले प्रवासी मजदूर हैं। सुबह की शिफ्ट में प्लांट में 50 से अधिक मजदूर कार्यरत थे। पुलिस और प्रशासन द्वारा एक-एक मजदूर का सत्यापन किया जा रहा है।

प्लांट सील, प्रबंधन से पूछताछ

हादसे के तुरंत बाद जिला प्रशासन हरकत में आया। कलेक्टर दीपक सोनी और पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता मौके पर पहुंचे। रियल स्टील प्लांट को सील कर दिया गया है। एसडीएम के नेतृत्व में संयुक्त जांच टीम गठित की गई है, जिसमें उद्योग विभाग, इंडस्ट्रियल हेल्थ एंड सेफ्टी विभाग, श्रम विभाग, पुलिस और राजस्व विभाग शामिल हैं। प्लांट प्रबंधन से लगातार पूछताछ जारी है। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

रेस्क्यू में 11 मजदूर, 6 की मौत

एसपी भावना गुप्ता ने बताया कि हादसे के बाद 11 मजदूरों को रेस्क्यू किया गया, जिनमें से 6 की मौत बर्न इंजरी के कारण हो गई। 'इंडस्ट्रियल हेल्थ एंड सेफ्टी विभाग और फॉरेंसिक की संयुक्त टीम जांच कर रही है। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।' झ्र भावना गुप्ता, एसपी

सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर सवाल

इस हादसे ने एक बार फिर स्पंज आयरन प्लांटों में सुरक्षा मानकों की पोल खोल दी है। सवाल उठ रहे हैं कि– इतनी गर्म राख ले जाने वाली पाइपलाइन की नियमित जांच क्यों नहीं हुई ? मजदूरों के लिए सेफ्टी गियर और सुरक्षित कार्यप्रणाली का पालन क्यों नहीं किया गया ? क्या उत्पादन के दबाव में सुरक्षा से समझौता किया जा रहा था ?

मुआवजे का ऐलान, पर सवाल कायम

प्लांट प्रबंधन और मालिक नितेश अग्रवाल ने मृतकों के परिजनों को 20 लाख रुपये और घायलों को 5 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है। प्रबंधन का कहना है कि हाउसकीपिंग के दौरान ऊउ से गर्म डस्ट गिरने से यह हादसा हुआ। वहीं, कांग्रेस ने पूरे मामले की जांच के लिए 7 सदस्यीय समिति गठित कर दी है और इसे औद्योगिक लापरवाही का मामला बताया है।

क्या कहता है यह हादसा?

यह हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि औद्योगिक सुरक्षा में सिस्टम की विफलता का संकेत है। प्रवासी मजदूरों की जान की कीमत आखिर कब तक मुआवजे के आंकड़ों में तौली जाती रहेगी–यह सवाल अब शासन, प्रशासन और उद्योग जगत तीनों के सामने खड़ा है।

संपादकीय

दोस्ती की लिखावट

आपसी जुड़ाव व लेखन कला निखार की पहल

निस्संदेह डिजिटल दौर के नशे में डूबी पीढ़ी वास्तविक रिश्तों से दूर होती जा रही है। वहीं दूसरी ओर छात्रों की लिखने की आदत भी छूटती जा रही है। लेखन हमारी मौलिक व सार्थक अभिव्यक्ति है और सेहत से भी जुड़ा है। पुरानी कहावत है—जिसके बहुत सारे दोस्त होते हैं उसका कोई दोस्त नहीं होता। कमोबेश मौजूदा दौर में हकीकत यही है कि जिनके सोशल मीडिया में हजारों-लाखों मित्र व फॉलोवर होते हैं वे निजी जीवन में नितांत एकाकी होते हैं। यह घातक प्रवृत्ति बच्चों में भी तेजी से घर कर रही है। लेखन में हमारी उंगलियों के पोर इस्तेमाल होते हैं, जिनके सिरे हमारे विभिन्न अंगों के स्वास्थ्य से गहरे तक जुड़े रहते हैं। कलम या पेन से लेखन हमारे बौद्धिक विकास में भी सहायक होता है। लेकिन आज मोबाइल व कंप्यूटर, लेपटॉप व टैबलेट के दौर में बच्चे लेखन से दूर होकर खुद को बेहतर ढंग से अभिव्यक्त नहीं कर पाते। इस संकट को महसूस करते हुए सीबीएसई ने छात्रों को मित्रों से जुड़ाव व उनकी लेखन कला को निखारने के लिए अभिनव पहल की है। बोर्ड ने डाक विभाग के साथ मिलकर यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन 'इंटरनेशनल लेटर राइटिंग कंपीटिशन-2026' आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र को पचास हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही विजेता को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी दिया जाएगा। छात्रों को जो पत्र लिखने का विषय दिया गया है वह मौजूदा हालात में बेहद रोचक व उपयोगी है। छात्र को अपने दोस्त को पत्र लिखना है कि मौजूदा डिजिटल दौर में लोगों का आपसी जुड़ाव व बातचीत क्यों जरूरी है। दरअसल, इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों की सोच को विस्तार देना और उनकी लेखन कला को निखारना है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता को जीतने वाले प्रतिभागी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

सीबीएसई ने छात्रों को मित्रों से जुड़ाव व उनकी लेखन कला को निखारने के लिए अभिनव पहल की है। बोर्ड ने डाक विभाग के साथ मिलकर यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन 'इंटरनेशनल लेटर राइटिंग कंपीटिशन-2026' आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र को पचास हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही विजेता को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी दिया जाएगा। छात्रों को जो पत्र लिखने का विषय दिया गया है वह मौजूदा हालात में बेहद रोचक व उपयोगी है।

उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतने पर छात्र को स्विट्ज़रलैंड के बर्न स्थित यूपीए हेड क्वार्टर का दौरा करने का अवसर मिल सकता है। इस प्रतियोगिता के प्रतिभागी नौ से पंद्रह साल के ही होने चाहिए। वे अपनी एंट्री अंग्रेजी व हिंदी में भी दे सकते हैं। प्रतिभागी अपने स्कूल के माध्यम से ही इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। निश्चित रूप से बच्चों में लिखने की घटती प्रवृत्ति के दौर में यह एक रचनात्मक प्रयास है। दरअसल, लगातार सोशल मीडिया स्क्रॉल करते बच्चे न केवल रचनात्मक लेखन से वंचित हो रहे हैं, बल्कि अपने दोस्तों से भी कटते जा रहे हैं, जिसका असर उनकी याददाश्त व सृजन क्षमता पर भी पड़ रहा है। एक समय था बच्चे डायरी लेखन व स्कूलों में कविता व लेख लिखने को खासे उत्सुक होते थे। दोस्तों के साथ खेल के मैदान और घर पर खेलना उन्हें शारीरिक व मानसिक स्तर पर स्वस्थ रखता था। लेकिन आज बच्चे ऑनलाइन खेलों में इतने मस्त हो जाते हैं कि उन्हें अपने असली दोस्तों का ख्याल ही नहीं रहता। वे जीवन की वास्तविक चुनौतियों से दूर होते जा रहे हैं। इतना ही नहीं, आज शारीरिक सक्रियता के अभाव के कारण बच्चे छोटी उम्र में ही वयस्कों जैसे रोगों के शिकार होते जा रहे हैं। ये रोग शारीरिक भी हैं और मानसिक भी हैं। छात्र अपना बचपन स्वाभाविक रूप से नहीं जी पा रहे हैं। सही मायनों में वे समय से पहले वयस्क होते जा रहे हैं। एक समय बच्चों की लेखन क्षमता पर विशेष ध्यान दिया जाता था। परीक्षा में बाकायदा सुंदर लेखन के अतिरिक्त अंक दिए जाते हैं। लेकिन आज बच्चे इंटरनेट पर उपलब्ध शॉर्टकट के जरिये हर परीक्षा पास करना चाहते हैं। कट-पेस्ट संस्कृति ने उनकी मौलिक सोच व सृजनात्मकता को ग्रहण लगा दिया। अक्सर छात्र प्रतियोगात्मक परीक्षाओं व लेखन प्रतिस्पर्धाओं में ऑनलाइन माध्यमों व इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री को हेर-फेर के साथ प्रस्तुत करते देखे जा रहे हैं, जो उन्हें व्यावहारिक जीवन की प्रतिस्पर्धा में कमजोर बनाता है। ऐसे में सीबीएसई व पोस्टल विभाग की पहल अनुकरणीय व प्रशंसनीय है।

विश्व व्यवस्था में रणनीतिक उलझाव पर बदलता नजरिया

लेफ्टिनेंट जनरल एस एस मेहता

रणनीतिक अस्पष्टता कभी वक्त निकालने का तरीका था जिससे तनाव घटाया जा सके। ताकि इतिहास अपना काम कर सके। यह स्थायित्व में भी मददगार थी। लेकिन मौजूदा बिखरावपूर्ण विश्व व्यवस्था में, यह फैसले टालने, जवाबदेही बगैर सहनशक्ति परखने व तथ्य बदलने का जरिया है। यह अस्पष्टता अचानक विफल नहीं हुई बल्कि जानबूझकर की गयी।

दशकों तक, रणनीतिक अस्पष्टता को समझदारी की तरह लिया जाता था, समय निकालने का तरीका, तनाव घटाएं और इतिहास को अपना काम करने दें। एक अधिक संतुलित दुनिया में, इसने स्थायित्व बनाने का काम किया। मौजूदा बिखरावपूर्ण विश्व व्यवस्था में, यह फैसला टालने, जवाबदेही बगैर सहनशक्ति परखने व तथ्य बदलने का जरिया है। जो उपाय कभी शांति कायम रखता था, आज अनिश्चितता बढ़ा रहा है। परिणाम है नियंत्रित विचलन। अस्पष्टता अचानक विफल नहीं हुई; जानबूझकर की गयी।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था ने शनैः-शनैः संयम को चुप्पी मानना सीख लिया। मुश्किल सवाल अनुत्तरित छोड़ दिए गये, सीमाएं अस्पष्ट और समयसीमा अनिर्धारित बनी रहीं। असमान महत्वाकांक्षा और अवसरवादी संशोधनवाद के युग में, अस्पष्टता सुरक्षा कवच की बजाय बोझ बन गई, जिसका दोहन वे करते हैं जिन्हें देरी करते जाने से फायदा है और भुगतना उन्हें पड़ता है जो विश्व व्यवस्था का पालन करने पर निर्भर रहते हैं। रणनीतिक अस्पष्टता की शुरुआत टालमटोल के तौर पर नहीं हुई थी। इसका मकसद था इरादे परखना और तालमेल बनने देना। यह कारगर रहा क्योंकि यह पारस्परिक आधार पर था और इसमें संतुलन शामिल था। समय के साथ, दोहराव ने इसे खोखला कर डाला। एक अस्थायी उपाय वह प्रवृत्ति बन गया;जिसका उद्देश्य नीयत स्पष्ट करना था, वह यथास्थिति की धीरे-धीरे, हिसाब-किताब लगाकर समाप्ति का तरीका बन गया।

जब अस्पष्टता असमानता हो जाए : अनिर्धारित सीमाओं से इतर इसकी मिसाल कहीं इतनी साफ दिखाई नहीं देती। बहुत ऊंचाई वाले इलाकों में, नीति का मोल विरल हवा और जमी बर्फमें मापा जाता है। सबसे पहले नागरिकों को भुगतना पड़ता है, मसलन,कोई चरवाहा किसी रोज पाए कि एक गैर-मान्यताप्राप्त बाड़बंदी ने पीढ़ियों पुरानी उसकी चरागाह छीन ली या जब कोई ग्रामीण पाए कि पुरखों से चला रहा उसके क्षेत्र का नक्शा रात में खामोश सैनिक गश्त से पुनर्निधारित कर दिया गया। दूर समुद्र में , मछुआरों का यह पाना कि उनकी आजीविका रातोंरात अपराध बन गयी, इसलिए नहीं कि नक्शों की लकीरें सार्वजनिक रूप से पुनः खींची गईं, बल्कि इसलिए कि वे जानबूझकर अस्पष्ट छोड़ दी थी।

ऐसी सीमाओं पर, सैनिक अनिश्चितता को जीवन का अंग मानकर जीते हैं। वे उसी ऊबड़-खाबड़ ज़मीन पर चलते हैं, मामला निबटा देने की बजाए संयम बरतते हैं। जब अस्पष्टता पककर टकराव में बदल जाती है, तब उन्हें राजधानियों में अनिर्णय से पैदा जोखिम संभालने के लिए मानव बारूदी सुरंगों के रूप में आगे कर दिया जाता है।

लीक बदलने की लोकतांत्रिक कीमत

लंबे समय तक जारी अस्पष्टता की कीमत समान रूप से नहीं झेलनी पड़ती। लोकतंत्र बहसों और जवाबदेही के जरिये अनिश्चितता को जज़्ब करते हैं। संशोधनवादी व्यवस्थाएं छद्म रूप से अस्पष्टता चलाती हैं। असमान संदर्भों में, अस्पष्टता सबसे मज़बूत पक्ष का भरोसेमंद साथ निभाती है। लीक में बदलाव असमान लागत लागू करता है और औपचारिक पसंद के बगैर, अंश-वार बदलाव बनाता है। ऐसी स्थितियों में, स्पष्टता टकराव नहीं बढ़ाती ; यह लोकतांत्रिक स्वच्छता है।

नियम कौन लिखता है

जब लोकतंत्र प्रारूप बनाने को टालते हैं, तो वे मूल स्वरूप खो देते हैं। नियम सहमति से नहीं, बल्कि बारंबार प्रक्रिया से बदलते हैं। अस्पष्टता विकल्पों का तबतक क्षरण करती जाती है जबतक कि सिर्फ एक ही बचे। एक सदी से भी पहले, लॉर्ड कर्ज़न ने पाया था कि सीमाओं को तय करने के बजाय उन्हें अनिर्धारित छोड़ देने से लाभ ज़्यादा होता है। उनकी यह अंतदृष्टि फायदा उठाने की गर्ज से थी। अस्पष्टता उस हित में है जो नक्शे को परिवर्तनीय और वक्त को हथियार की तरह बरतता है।

समय सीमाओं का टकराव 2035 और 2047

वह तर्क अब मद्धिम पड़ रहे वापसी बिंदु पर पहुंच चुका है। स्थिरता अब अनकही बातों पर और निर्भर नहीं रह सकती; यह योजनाबद्ध होनी चाहिए। जल्दबाज़ी तारीखों के टकराव से चालित है। चीन ने वर्ष 2035 को राष्ट्रीय कायाकल्प की समय-सीमा तय किया है। जबकि भारत का संकल्प साल 2047 तक है, जोकि आज़ादी का शताब्दी वर्ष है। बीच के दशकों को दूसरे की समयसीमा के हवाले करके कोई भी एक पक्ष ताकत का सभ्यतागत मील पत्थर हासिल नहीं कर सकता। जब एक पक्ष दशकों की योजना बना रहा हो और दूसरे की प्रतिक्रिया टुकड़ों में हो, तो अस्पष्टता तटस्थ नहीं रहती; यह महत्वाकांक्षा घटाने वाली बन जाती है।

समय अब क्यों मायने रखता है

योजनाबंदी को समयबद्ध अनुशासन की जरूरत होती है। समय सीमा वाली रूपरेखा टाल-मटोल के फायदों को उलट देती है। एक बार जब सीमा व समय तय हो जाए, तब संयम को औचित्य की और अधिक जरूरत नहीं रहती; उल्लंघन को पड़ती है। व्यावहारिक रूप से, यह तर्क इशारा करता है एक दीर्घ-कालिक,समय-सीमाबद्ध, महीनों में नहीं बल्कि दशकों में मापी जाने वाली रूपरेखा, वह जो समस्या के निबटारे में देरी वाले यथास्थिति उपाय को ठंडे बस्ते में डाल देने वाली, अधिक संतुलित घड़ी हो। 15 से 20 साल वाला क्षितिज रखना स्थायित्व को रियायत नहीं है; यह संरचना के साथ धैर्य को पुष्ट करना है। यह संवाद की पूर्व-बंदी या एकतरफा बदलावों को वैधता दिए बगैर, अस्पष्टता को दायित्व में और टालमटोल को जवाबदेही में रूपांतरित करना है। एक तयशुदा अवधि के लिए यथास्थिति बनाना बड़े लाभार्थी को उसके फायदे से वंचित करता है और शांत रहकर गतिविधि करने की बजाय जानबूझकर किए काम से संशोधनवाद को सतह पर आने पर मजबूर करता है। समय, जिसे कभी शक्तिशाली पक्ष हथियार की तरह बरतते रहे, तब एक बाधा बन जाएगा। या तो धैर्य महत्वाकांक्षा में देरी करवा देगा या फिर उल्लंघन इरादे को उजागर कर देगा।

रणनीतिक प्रतीक्षा का अंत

कभी अस्पष्टता संतुलन के लिए काम की चीज़ थी। आज, यह उन लोगों का फायदा करती है जो मामला टालने से लाभ लेते हैं। जो सभ्यताएं अपनी शर्तों को परिभाषित करने से इंकार करें, वे शांति सहेजकर नहीं रख पातीं,वे अपने भविष्य दूसरों के हवाले कर देती हैं। व्यावहारिक रूप से, ऐसे प्रारूप का स्वरूप है एक कूटनीतिक ठहराव, एक समयबद्ध यथास्थिति कायम रखना या तय अंतराल पर घोषित दायरे की पुनर्समीक्षा,जो संयम को धैर्य की मुद्रा से दायित्व के प्रारूप में बदल दे। संयम अपना नैतिक अधिकार तब खो देता है जब वह ज़बरदस्ती चलाए। संवाद अपनी आत्मा तब खो देता है जब वह एकतरफा फायदे को छिपाने वाला बन जाए। टालमटोल करते जाना अब सुरक्षा पाने का उपाय नहीं रहा; यह तो केवल जोखिम को शृंखला में निचली ओर धकेलना है, किसी चरवाहे, गश्ती दल या सैनिक पर। चाणक्य ने चेताया था कि देरी करने से राज्य हाथ से निकल जाता है। क्लॉज़विट्ज़ हमें याद दिलाते हैं कि हिचकिचाहट दुश्मन को पहल का मौका दे देती है। रणनीतिक इंतज़ार का युग बीत चुका है। आगे जो कुछ भी होगा, या तो योजनाबद्ध ढंग से बनेगा या खुद ही खो जाएगा।

लेखक सेना की पश्चिमी कमान के पूर्व कमांडर एवं पुणे इंटरनेशनल सेंटर के संस्थापक ट्रस्टी हैं।

बंगाल में वर्चस्व के लिए टीएमसी-भाजपा टकराव तेज

मधुरेन्द्र सिन्हा

बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले ममता बनर्जी और भाजपा के बीच सियासी संघर्ष तेज़ हो गया है, जहां भ्रष्टाचार और विकास की राजनीति प्रमुख मुद्दे बने हैं।

भारत के पूर्वी प्रांत बंगाल में सियासी महासंग्राम शुरू हो चुका है। विधानसभा चुनाव मार्च या अप्रैल में होंगे। पांच मई तक नई सरकार को शपथ लेनी होगी। ममता बनर्जी इस समय कई कारणों से सुर्खियों में हैं। ईडी से उनका टकराव हाल की बात है। उससे पहले उन्होंने एसआईआर के खिलाफ जबर्दस्त आवाज उठाई और चुनाव आयोग को धमकाया। इन हालातों के मध्यनजर सुप्रीम कोर्ट को बीच में आना पड़ा और उन्हें शांत किया।

ईडी ने वहां के कोयला कारोबारी और एक एजेंसी आईपैक के दफ्तरों और अन्य ठिकानों पर मनी लॉन्डरिंग के मामले में छापा मारा। ममता दीदी स्वयं वहां पहुंच गईं और फाइलें, लैपटॉप वगैरह उठा ले गईं तथा अपने पुलिस वालों से कहकर ईडी अफसरों और कर्मियों पर एफआईआर तक करवा दी। एफआईआर करवाना उनका पुराना तरीका है ताकि प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बना रहे।

अब मामला हाईकोर्ट और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट में चला गया। सुप्रीम कोर्ट में देश के सबसे बड़े दो वकील ममता दीदी की तरफसे खड़े हो गए। ईडी ने कोलकाता छापेमारी मामले में बंगाल पुलिस के कामकाज में दखलंदाजी के आरोपों के बीच बंगाल

पुलिस के महानिदेशक को हटाने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट में ममता के वकीलों ने राज्य पुलिस द्वारा की गयी एफआईआर को न्यायसंगत बताया। न्यायाधीश ने नाराजगी जताई और कड़े शब्दों में कहा कि यह गंभीर विषय है कि राज्य पुलिस किसी वैधानिक केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई में हस्तक्षेप कर रही है। अदालत ने स्पष्ट किया कि संविधान हर संस्था को स्वतंत्र रूप से काम करने का अधिकार देता है और राज्य पुलिस को यह छूट नहीं है कि वह ईडी जैसी एजेंसियों के काम में बाधा डाले। कोर्ट ने साफकिया कि अंतिम फैसले तक ईडी अधिकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी। सभी जानते हैं कि बंगाल में घुसपैठ के चलते लाखों की तादाद में बांग्लादेशी मौजूद हैं। वे खुलेआम टीएमसी का समर्थन करते हैं और इसलिए पार्टी नहीं चाहती है कि उनके नाम कटें। इसके अलावा वहां रोहिंग्या भी बड़ी संख्या में आ घुसे हैं। उन्हें भी देश से भगाने की बात की जा रही है लेकिन ममता दीदी इसे स्वीकार नहीं करतीं।

कम्युनिस्ट पार्टी और कांग्रेस के बंगाल में पतन के बाद अब वहां एक दशक से लड़ाई भाजपा बनाम तृणमूल के बीच है। भाजपा ने पिछले दो चुनावों में काफी प्रयास किया, लेकिन वे टीएमसी की आक्रामक नीति और प्रशासन के सहयोग के सामने जीत का बिगुल नहीं बजा पाए। इस बार पार्टी नई रणनीति के साथ अमित शाह के नेतृत्व में उतरी है। उन्होंने बंगाल के चुनाव की कमान अपने हाथों में ले ली है। गृहमंत्री ने दिसंबर महीने में कोलकाता जाकर वहां पहले तो अपने पार्टी संगठन से जुड़े लोगों से बातचीत की और फिर आरएसएस के कार्यकर्ताओं से मंत्रणा की। मकसद था कि दोनों संगठनों में सामंजस्य बना रहे।

उन्होंने बहुत ही आक्रामक ढंग से शुरुआत की है और उसके बाद पीएम मोदी खुद ही बंगाल पहुंच गए। उन्होंने वहां के हुगली जिले के सिंगूर में 830 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इतना ही नहीं, देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन भी बंगाल से ही शुरू की गई, जबकि राज्य को पहले ही लगभग आधा दर्जन अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाएं मिल चुकी हैं। ये सभी कार्यक्रम वोटरों को आकर्षित करने की योजना का हिस्सा हैं।

भाजपा और अमित शाह की नीति रही है कि बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं का हौसला बनाए रखा जाए। गृहमंत्री ने बंगाल में यही किया और उनसे हालात का जायजा लिया। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी के चुनींदा नेताओं तथा कार्यकर्ताओं के साथ भी गहन बातचीत की। स्थिति की समीक्षा करने और रणनीति बनाने के लिए उन्होंने भाजपा के विधायकों, सांसदों के अलावा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सभासदों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बंगाल, जो कभी देश का एक बहुत बड़ा व्यापारिक केंद्र था, अब गिरावट के कारण 2023-24 में छठे स्थान पर पहुंच गया है। जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय में भी गिरावट आई है। यहां प्रति व्यक्ति औसत आय राष्ट्रीय आय से भी घटकर नीचे आ गई है।

तृणमूल कांग्रेस को सत्ता में आए 14 साल से ज्यादा समय हो चुका है। पार्टी ने राज्य से वामपंथी सरकार को उखाड़ फेंका, लेकिन उसके बाद यहां आपेक्षित विकास नहीं हुआ। बंगाल में बेरोजगारी दर बढ़ी है। राज्य में पलायन तेज हुआ है। राज्य के स्कूल-कॉलेज को टीएमसी ने राजनीति का गढ़ बना दिया है। साहित्य, कला-संस्कृति से संपन्न यह राज्य रंगत खो रहा है। बहरहाल, सत्तारूढ़ दल और मुख्य विपक्षी दल में तलवारें खिंच गई हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

उथल-पुथल के बीच निर्णायक मोड़ पर ईरान

गद्दाम धर्मेन्द्र

ईरान में विभिन्न मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन व उन पर सरकार की सख्त प्रतिक्रिया जारी है। ये इस इस्लामी गणराज्य के लिए अस्तित्व को चुनौती प्रतीत होते हैं। ऐसे में वहां सत्ता परिवर्तन की मांग शायद जल्दबाजी हो, लेकिन सरकार के अंदर बदलाव होने लाजिमी हैं।

पिछले करीब तीन सप्ताह में हुए अभूतपूर्व देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों ने इस्लामिक गणराज्य ईरान को हिलाकर रख दिया है। ये जल्द ही रुक जाएंगे, ऐसा कोई संकेत दिखाई नहीं देता। ईरान में सामाजिक अशांति नई बात नहीं, लेकिन हाल में हुए सार्वजनिक प्रदर्शनों की तीव्रता से लगता है कि देश के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है।

इनको फरवरी, 1979 में हुई इस्लामिक क्रांति के बाद से, 47 सालों में सत्ता के समक्ष सबसे बड़ा खतरा माना जा रहा है। देश में लॉकडाउन के अलावा अंतर्राष्ट्रीय संचार और टेलीफ़ोन सेवाएं बंद हैं। कहा जा रहा है कि सरकार ने वैश्विक सैटेलाइट संचार नेटवर्क 'स्टारलिंक' ब्लॉक करने को रूसी या चीनी मिलिट्री ग्रेड तकनीक का इस्तेमाल किया। अफवाहों और सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी वाले माहौल में ईरान में मौजूदा स्थिति का सटीक अंदाज़ा मुश्किल है। लेकिन, कई स्रोतों की रिपोर्ट है कि हाल के दिनों में सुरक्षा बलों ने बेरहमी से कार्रवाई की; जिसकी वजह से अब तक बड़ी संख्या में मौतें हो चुकी हैं और हज़ारों लोग हिरासत में लिये। आने वाले दिन या शायद हफ्ते, तय करेंगे कि व्यापक तौर पर नापसंद मौजूदा सत्ता का भविष्य क्या होगा, हालांकि यह लंबे समय से कायम है और अगले महीने अपने 48वें साल में कदम रखने वाली है।

28 दिसंबर से शुरू होकर, संपूर्ण ईरान में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और दंगे हुए। आरंभ तेहरान के ग्रैंड बाज़ार से हुआ। व्यापारी दुकानें बंद कर धरने पर बैठ गए, उनके विरोध की मुख्य वजह थी ईरानी मुद्रा, रियाल का अपने मुख्य मूल्य मापदंड अमेरिकी डॉलर के बरक्स बेतरह गिरना। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की सरकार द्वारा वित्तीय

एवं आर्थिक सुधार करने के फैसले ने आग में घी डाल दिया, इसके पीछे हर चीज़ पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध भी एक वजह है।

एक प्रस्ताव था कि तरजीही विनिमय दर व्यवस्था वापस ले ली जाए, जिसके तहत व्यापार संघ, जिन्हें वहां 'बाज़ारी' कहा जाता है, उन्हें भारी सब्सिडी पर बहुत कम दाम पर विदेशी मुद्रा मुहैया करवायी जाती है। ये 'बाज़ारी' नियंत्रित विदेशी मुद्रा प्रणाली के तहत तरजीही सरकारी फंड की उपलब्धता का पूरा बचाव करते आये हैं। पेज़ेशकियन के फैसले ने सत्ताधारी मौलाना वर्ग को इस मुद्दे पर बांट दिया, जो अर्थव्यवस्था पर बाज़ारियों के प्रभाव से परिचित हैं।

जो विरोध प्रदर्शन बाज़ारियों द्वारा दबाव बनाने की तरकीब के तौर पर शुरू हुए, वे जंगल में आग की तरह फैल गए, जिसमें छात्र और समाज का हरेक तबका शामिल हो गया, उनमें हताशा-निराशा लंबे समय से है, खासकर युवाओं में। इसके कुछ कारण हैं, अर्थव्यवस्था एवं रोज़गार की खस्ता हालत, उच्च महंगाई दर (अनुमानित 45 फीसदी) और सरकार का आर्थिक कुप्रंबधन, भ्रष्टाचार व सरकारी छूट का अनुचित लाभ लेने से लोगों में उपजी निराशा।

ईरान में पिछले विरोध प्रदर्शनों का पैटर्न, जिसमें सबसे ताजा 2022 का हिजाब-विरोधी प्रदर्शन था, कुछ ऐसा रहा कि लोगों की नाराज़गी शुरू में तो किसी सामाजिक (हिजाब-विरोध) या आर्थिक शिकायत से भड़की, लेकिन तुरंत ही सियासी बगावत में बदल गयी। एक अतिरिक्त अवयव यह कि फ़लस्तीन, सीरिया व लेबनान के मामले में ईरानी सरकार के दखल से पड़े आर्थिक बोझ पर नाराज़गी खुलकर जाहिर हुई है।

सरकार के खिलाफ़आम नारा 'तानाशाह को सजाए मौत' जिससे अभिप्राय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई है के अलावा अब 'न गाज़ा न लेबनान के लिए, मेरी जान है ईरान के लिए' जैसे नारे भी लग रहे हैं। एक नया अवयव है 'जाविद शाह' (शाह अमर रहे) का नारा है, यानी अमेरिका में निर्वासन काट रहे युवराज रेज़ा पहलवी। पहलवी इस बगावत का श्रेय चाहते हैं और खुद को बतौर सही विकल्प पेश कर रहे हैं। हालांकि ईरान की बिखरी राजनीति और पहलवी की ईरानियों की इस पीढ़ी से दूरी के चलते यह मुश्किल काम लगता है। ईरान पश्चिम एशिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है, जो भू-रणनीतिक एवं धार्मिक तौर पर अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी, सऊदी अरब के बाद दूसरे नंबर पर है। दोनों मुल्क सुन्नी और शिया पंथ की विचारधाराओं के ज़रिए इस्लामिक उम्माह की सरदारी के लिए होड़ में हैं। जबकि इस्लाम के ये दोनों पंथ भारत में शांति के साथ सह-अस्तित्व में हैं, यह परिदृश्य ओआईसी के किसी एक भी देश में नजर नहीं आता। भारत और ईरान के बीच पारंपरिक रूप से करीबी ऐतिहासिक रिश्ते रहे और हाल के वर्षों में और प्रगाढ़ हुए, खासकर भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार पोर्ट के प्रबंधन एवं परिचालन की भागीदारी के जरिये। ब्रिक्स और एससीओ की सदस्यता दोनों देशों को सहयोग बढ़ाने देने में मददगार है। अकसर इस बात को कम आंका जाता है कि ईरान ने दशकों वाणिज्यिक और आर्थिक प्रतिबंध झेले, फिर भी कुशलता से खुद को अलग-थलग पड़ने से बचाने में कामयाब रहा। ईरान अपनी आज़ादी कायम रखने को कटिबद्ध है और वैश्विक ऊर्जा बाज़ार सहित एक महत्वपूर्ण भू-रणनीतिक खिलाड़ी के तौर पर अपनी जगह बनाए है। इसके पास कच्चे तेल का दुनिया का चौथा सबसे बड़ा और प्राकृतिक गैस का दूसरा सबसे बड़ा भंडार है। ईरान काफी मांग वाले अपने हल्के तेल, यानी कम सल्फर मात्रा वाले कच्चे तेल, का प्रतिदिन लगभग दो मिलियन बैरल निर्यात करता है। इस प्रकार, ईरान में विरोध प्रदर्शनों और वेनेजुएला में हुई असामान्य घटनाओं ने दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतों में तेज़ी ला दी, ऐसी बढ़ोतरी जिस पर भारत के नीति निर्माता आगामी केंद्रीय बजट से पहले करीबी नज़र रखेंगे।

भारतीय छात्रों को एक और झटका

जिन देशों में पहले भारतीय छात्रों को प्रतिभाशाली एवं शिष्ट समझा जाता था, वहां उनके प्रति नजरिया क्यों बदल गया है? भारतीय छात्र जाकर वहां की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं। फिर भी उनकी एंट्री क्यों कठिन होती गई है।

विदेश जाकर पढ़ने की हसरत रखने वाले भारतीय छात्रों को एक और झटका लगा है। इस बार खबर ऑस्ट्रेलिया से आई है, जहां भारतीय छात्रों की वीजा अर्जी को उच्चतम जोखिम श्रेणी में डाल दिया गया है। इस फैसले के साथ ऑस्ट्रेलिया ने भारत को उसी श्रेणी में रख दिया है, जहां पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल पहले से हैं। उन्होंने इसका कारण बताया है- भारतीय छात्रों की 'विश्वसनीयता संबंधी' बढ़ा जोखिम। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक भारत में फर्जी डिग्री संबंधी घोटालों के हुए खुलासों की अंतरराष्ट्रीय मीडिया में खूब चर्चा हुई। अब उसका नतीजा सामने आया है। इसके पहले भारतीय छात्रों के लिए कनाडा और ब्रिटेन जाना भी कठिन हुआ है।

पिछले वर्ष कनाडा ने भारतीय छात्रों के लिए जारी होने वाले वीजा में 31 प्रतिशत कटौती की। साथ ही जीवन यापन शुल्क में बढ़ोतरी कर दी गई। ब्रिटेन में भारतीय छात्रों के लिए वीजा एवं ई-वीजा शुल्क में बढ़ोतरी की गई है। साथ ही अब सिर्फ पीएचडी और रिसर्च छात्र ही अपने जीवनसाथी या बच्चों को ब्रिटेन ले जा सकेंगे। वीजा पाने के लिए आमदनी का पहले से अधिक बड़ा स्रोत उन्हें दिखाना होगा। अमेरिका में तमाम विदेशी छात्रों के लिए हालात जिस तरह बिगड़े हैं, वे अब रोजमर्रा की सुर्खियां हैं। उनसे भी सबसे ज्यादा प्रभावित भारतीय छात्र ही हुए हैं। मुद्दा यह है कि जिन देशों में अभी कुछ वर्ष पहले तक भारतीय छात्रों को प्रतिभाशाली एवं शिष्ट समझा जाता था, वहां उनके प्रति नजरिया क्यों बदल गया है? विदेशी छात्र उन तमाम देशों के शिक्षा क्षेत्र में आय का बड़ा स्रोत हैं। भारतीय छात्र भी वहां जाकर अपना ही पैसा खर्च करते हैं। इसके बावजूद उनकी एंट्री कठिन बना दी गई है। क्या इसका संबंध उन देशों में भारत की बदली छवि से है? या वहां भारतीयों के व्यवहार ने स्थानीय आवाम एवं सरकारों के कान खड़े किए हैं? भारतवासियों को इन प्रश्नों पर गंभीरता से आत्म-निरीक्षण करना चाहिए। कोई भी देश अपने यहां किसे किन शर्तों पर आने देगा, यह तय करना उसका अधिकार है।

रकम वापस मांगे तो पत्नी से छेड़छाड़ के झूठे मामले में फंसाने की दी धमकी

बचपन के दोस्त को लगाया 27 लाख का चूना

न्यायालय के आदेश पर संविदा इंजीनियर के खिलाफ अपराध दर्ज

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

दुर्ग जिले के पाटन में 27 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला उजागर हुआ है। इस मामले में बचपन के दोस्त ने ही अपनी लाचारी की दुहाई देकर व्यापार करने के लिए पहले दोस्त से 27 लाख रुपए ले लिया। इसके बाद जब दोस्त ने रकम वापस मांगे तो उसे पत्नी से छेड़छाड़ के झूठे केस में फंसाने और जान से मारने की धमकी देने लगा। पुलिस ने जब इस मामले में मामला दर्ज नहीं किया तो पीड़ित ने न्यायालय में दस्तक दी। आखिरकार न्यायालयीन आदेश के बाद पाटन पुलिस ने आरोपी दोस्त के खिलाफअपराध दर्ज कर लिया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी अनिरुद्ध ताम्रकार जनपद कार्यालय पाटन में संविदा जूनियर इंजीनियर के पद पर पदस्थ है। वहीं उसकी पत्नी भावना ताम्रकार है जिसके नाम पर दुकान खोलने के लिए आरोपी अनिरुद्ध ताम्रकार ने दोस्त आकाश कुमार शर्मा से पैसे उधार लिए

थे। अनिरुद्ध ने दोस्त को पिछले 7 महीने से वेतन न मिलने का हवाला दिया था। दोस्त ने आरोपी की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उसकी मदद की थी। लेकिन बाद में पैसे वापस न देने के लिए आरोपी बहाने बनाने लगा। प्रकरण के अनुसार परिवादी आकाश कुमार शर्मा वर्ष 2017 से प्रोटीन सप्लीमेंट्स के होलसेल व्यापार से जुड़े हैं। परिवादी का आरोप है कि आरोपी अनिरुद्ध ताम्रकार उनके बचपन के मित्र हैं। वर्ष 2021 में आरोपी ने वेतन न मिलने की बात कहते हुए आर्थिक परेशानी बताई और अपनी पत्नी के नाम पर रिसाली में प्रोटीन सप्लीमेंट्स की दुकान खोलने की योजना साझा की। सरकारी नौकरी में होने के कारण दुकान अपने नाम पर न खोल पाने की बात कहकर आरोपी ने परिवादी से सहयोग मांगा। प्रार्थी के अनुसार आरोपी की पत्नी भावना ताम्रकार के खाते से 5 अक्टूबर 2021 को 5 लाख रुपये उनके एचडीएफसी बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए और 1 लाख रुपये नकद दिए गए। इसके बाद सितंबर से 5 अक्टूबर 2021 के बीच तथा 7 से 11 अक्टूबर के बीच कुल 27 लाख रुपये का प्रोटीन सप्लीमेंट्स का सामान सप्लाई किया गया।

दुकान खुलने के बाद भुगतान की मांग करने पर आरोपी द्वारा किश्तों में जून 2022 तक करीब 6 लाख रुपये लौटाए गए। जुलाई 2022 में आरोपी ने फिर से रकम की आवश्यकता बताते हुए 6 लाख रुपये नकद उधार ले लिए, लेकिन इसके बाद भी राशि वापस नहीं की। लगातार पैसे की मांग करने पर आरोपी ने फोन उठाना बंद कर दिया। एक बार संपर्क होने पर परिवादी को जान से मारने की धमकी दी गई और पत्नी के साथ छेड़छाड़ के झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी गई।

अपराध दर्ज करने में पुलिस ने किया हीला हवाला

इस संबंध में परिवादी ने 25 अक्टूबर 2025 को थाना पाटन में शिकायत दी थी, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने केवल धारा 155 के तहत हस्तक्षेप योग्य नोटिस दर्ज किया और एफआईआर नहीं की गई। इसके बाद 28 अक्टूबर 2025 को पुलिस अधीक्षक दुर्ग को भी लिखित शिकायत दी गई, लेकिन वहां से भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे आहत होकर परिवादी ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय ने आवेदन, दस्तावेजों और पुलिस की जांच प्रतिवेदन का अवलोकन करते हुए प्रथम दृष्टया गंभीर संज्ञेय अपराध पाया। न्यायालय ने इस मामले में पुलिस को अपराध दर्ज करने का आदेश दिया। इसके बाद पाटन पुलिस ने धारा 318, 296, 351 (2) और 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस का कहना है कि दस्तावेजों, बैंक ट्रांजेक्शन और गवाहों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अल मदद सोसाइटी की पहल पर रक्तदान किया युवाओं ने

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

अल मदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में लाइफकेयर ब्लड बैंक के द्वारा एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन छत्तीसगढ़ ग्रंथालय सेक्टर-7 में किया गया। प्रमुख रूप से रक्तदान करने वालों में सैयद जमशेद अली, आरिफखान, फारुक शेख, शाहिद शेख, फहीम शेख, आसिम अंसारी, सगीर खान, सैयद सकलैन और जाहिद इमरान अमनदीप सहित अन्य शामिल हैं। सोसाइटी की तरफ सभी रक्तदाताओं का सम्मान किया गया। शिविर के आयोजन में अशरफअली और अल मदद सोसाइटी की सेक्रेटरी कौसर खान का विशेष सहयोग रहा। इस शिविर में अल मदद सोसाइटी की अध्यक्ष अंजुम अली के साथ सदस्य शबाना सिद्दीकी, शम्सुन निसा, रुखसाना अली, समीना खान. कैसर इकबाल. रख्शांदा अंजुम, गुलफिशां रानी, जुल्फी, फरीदा अली, शिरीन, शाहीन खान, आलिया यास्मीन, दिलशाद, लीना तज़मीन, सायरा, आयशा और नीलोफर आदि ने विशिष्ट योगदान दिया।

रेल यात्री सेवा संघ की बैठक में आगे की रणनीति पर हुई चर्चा

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

छत्तीसगढ़ यूपी बिहार रेल यात्री सेवा संघ की बैठक सलीम एडवोकेट चैंबर के पास हुई जिसमें रेल यात्री सेवा संघ के सदस्यों और सिवान, गोपालगंज, देवरिया , गोरखपुर और मऊ के लोगों की विशिष्ट भागीदारी रही। इस बैठक को चाय पर चर्चा के नाम से सम्बोधित किया गयाष। सभी लोगों ने चाट व स्वल्पाहार का आनंद लिया और इस बैठक की शुरुआत की।

इस दौरान जानकारी दी गई कि संघ की ओर से अभी तक सिवान, सलेमपुर और देवरिया में सांसद-विधायक, अन्य जनप्रतिनिधियों और रेलवे के आला अफसरों को ज्ञापन सौपा जा चुका और यह मुहिम लगातार आगे बढ़ रही है। सांसद सिवान व विधायक रघुनाथपुर को सौंपे गए ज्ञापन और चर्चा का ब्यौरा बैठक में दिया गया। इस दौरान सदस्यों ने प्रमुख रूप से सिवान के लिए सीधी ट्रेन की मांग रखते हुए कहा कि गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस या सारनाथ एक्सप्रेस को सप्ताह में 3 दिन मऊ भटनी सीवान के रास्ते पर चलाया जाना चाहिए जिससे आसपास जिलों के रहने वाले मुसाफिरों को यात्रा करने में आसानी होगी। दूसरी मांग प्रमुख रूप से रखी गई नौतनवा एक्सप्रेस को जो सप्ताह में दो दिन चलती है उसे सप्ताह में प्रतिदिन समय परिवर्तन करके सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे के बीच दुर्ग से चलाया जाए। जिससे बनारस से आगे यात्रा करने वाले यात्रियों को रात भर स्टेशन पर न बैठना पड़े और यात्री सुगमता से अपने-अपने गृह ग्राम में पहुंच जाएं।

जल कर के पुराने बकायादारों पर निगम ने की कार्रवाई तेज

राशि जमा कराने घर - घर दस्तक दे रहा निगम का अमला

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

महापौर निर्मल कोसरे एवं कमिश्नर डी.एस. राजपूत के निर्देशानुसार भिलाई-3 चरौदा निगम क्षेत्रांतर्गत अवैध नल कनेक्शन के साथ ही जल कर के बकायादारों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही चल रही है। उल्लेखनीय है कि समय पर अपना जलकर, संपत्तिकर, भू-भाटक, शिक्षा उपकर तथा समेकित कर के अलावा यूजर चार्ज की राशि जमा नहीं करने वालों के कारण निगम की वित्तीय स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव देखा जा रहा है। यहां यह भी कहना सही होगा कि स्वायत्तशासी संस्था होने के कारण निगम द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी जन सुविधा जिनमें सफाई, जलप्रदाय, निकाय के वाहनों के ईधन एवं निगम कर्मियो का वेतन शामिल है, यह सभी खर्च निगम को प्राप्त होने वाले राजस्व से भरपाई किया जाता है।

निगम प्रशासन की ओर से जलकर वसूली एवं अवैध नल कनेक्शन पर चलाये जा रहे अभियान को लेकर सहायक राजस्व अधिकारी श्रीमती अरूणिमा दुबे ने बताया कि प्रतिदिन क्षेत्र के अवैध नल कनेक्शनों का सत्यापन कर उन्हे विच्छेद करने की कार्यवाही की जा रही है।

विगत 03 दिवस में 06 अवैध नल कनेक्शन काटे गये है, जबकि जलकर के बकायेदार 27 जनों की डिमांड बिल जारी किया गया है। फील्ड में पैसा जमा करने वालों से 23000 रुपए जलकर की राशि 03 दिवस में प्राप्त की गयी है।

आयुक्त ने वैशाली नगर क्षेत्र का किया निरीक्षण

अधिकारियों को शहर की साफ सफाई पर ज्यादा ध्यान देने दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

नगर पालिक निगम भिलाई जोन-2 अंतर्गत पेवर ब्लाक, प्रस्तावित रोड, अटल आवास, सफाई व्यवस्था सहित प्रधानमंत्री आवास का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया है। उपस्थित अधिकारियों को शहर की साफ-सफाई पर ज्यादा ध्यान देने कहा गया है।

निगम आयुक्त द्वारा वैशाली नगर कालेज के सामने गौरव पथ में लगे पेवर ब्लाक का निरीक्षण किये। पेवर ब्लाक पुराने होने के साथ बीच-बीच से निकल गया है, जिसे व्यवस्थित कराने कहा गया है। जवाहर नगर में प्रस्तावित रोड निर्माण स्थल का अवलोकन किया गया। नागरिको के आवागमन को ध्यान में रखते हुए कार्य जल्द ही प्रारंभ कराने निर्देशित किये है। न्यू अटल आवास के समीप नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया गया। भवन निगम से बिना बिल्डिंग परमिशन लिए बनाया गया है, संबंधित को नोटिस देने निर्देशित किये है। आयुक्त ने जवाहर नगर अटल आवास कालोनी का निरीक्षण किये। स्थानीय नागरिकों की समस्या सुने। नागरिकोऊ द्वारा खेल ग्राउण्ड बनाने मांग किया गया है। साथ ही कालोनी में पानी, साफ-सफाई का जायजा लिये है ।

आयुक्त द्वारा आम्रपाली के पीछे निर्मित प्रधानमंत्री आवास योजना के कालोनी में सफाई का जायजा लिया गया। कालोनी के नालियों में नागरिको द्वारा घरो का कचरा डाल दिया जाता है। नागरिको को समझाइस दिया गया है कि नाली में कचरा डालते पाये जाने पर चालानी कार्यवाही की जावेगी। व्यवस्था सुधार हेतु जोन स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया है । निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, उप अभियंता चंदन निर्मलकर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर साहनी, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह एवं अन्य कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ और गोवा चेम्बर के बीच ऐतिहासिक एमओयू से मिलेंगे व्यापार और निवेश के नए अवसर - भसीन

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

छत्तीसगढ़ और गोवा के व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए एक ऐतिहासिक समझौता हुआ है। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और गोवा चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। छत्तीसगढ़ चेम्बर के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी एवं प्रदेश महामंत्री अजय भसीन की उपस्थिति में हुए इस एमओयू से दोनों राज्यों के औद्योगिक एवं व्यापारिक परिदृश्य में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई।

चेम्बर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि इस एमओयू का उद्देश्य व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देना है। एमओयू के तहत दोनों राज्यों के व्यापारियों और उद्यमियों के बीच सीधे संपर्क और सहयोग के लिए एक मजबूत मंच तैयार किया जाएगा। निवेश के अवसरों, व्यापारिक नीतियों और विधायी परिवर्तनों की जानकारी नियमित रूप से साझा की जाएगी। उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र, बिजनेस डेलिगेशन और सेमिनारों का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा दोनों राज्यों में आयोजित होने वाले व्यापारिक मेलों और प्रदर्शनियों में एक-दूसरे के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। तकनीकी हस्तांतरण, औद्योगिक सहयोग और संयुक्त उपक्रमों की सभावनाओ का तलाशन क लिए भी दोनों पक्ष मिलकर काम करेंगे।

श्री भसीन ने कहा कि चेम्बर हमेशा से व्यापारियों के हितों और उनके विस्तार के लिए कार्यरत रहा है। गोवा चेम्बर के साथ यह तालमेल हमारे प्रदेश के उत्पादों और सेवाओं को नई पहचान और बाजार दिलाने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता हस्ताक्षर के साथ ही प्रभावी हो गया है और दोनों संस्थाएं भविष्य की कार्ययोजना तैयार करने के लिए नियमित बैठकें आयोजित करने पर सहमत हुई हैं। इस ऐतिहासिक रूप से छत्तीसगढ़ और गोवा के बीच व्यापारिक रिश्ते और मजबूत होंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 अंतर्गत बीएलसी घटक में व्यापक प्रचार प्रसार अभियान

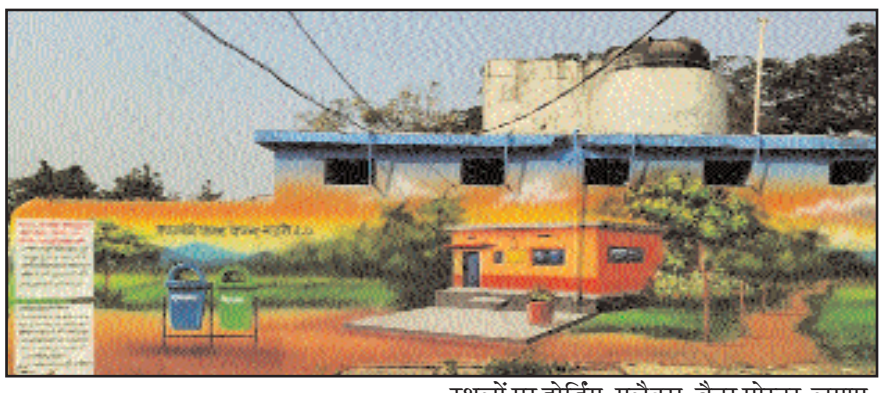

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

प्रधानमंत्री आवास योजना द्वारा बीएलसी घटक का व्यापक स्तर पर जगह जगह होर्डिंग, फ्लेक्स, सार्वजनिक स्थलों एवं जोन कार्यालय में वॉलपेंटिंग, वार्डो में वाहनों के माध्यम से मुनादी और सोशल मीडिया के ज़रिए प्रचार प्रसार किया जा रहा है । साथ ही साथ वार्डो में सर्वे टीम नियुक्त कर वास्तुविद के माध्यम से डोर टू डोर सर्वे कार्य कराया जा रहा है तथा इसके लिए प्रमुख चौराहों और मुख्य स्थलों पर होर्डिंग, फ्लैक्स, बैनर पोस्टर लगाए गए है और सुंदर वॉल पेंटिंग भी किया गया है । राष्ट्रीय स्तर पर अंगीकार अभियान 2025 भी चलाया गया तथा जोन कार्यालय एवं अन्य जगह पर शिविर, आवास ऋण मेला का आयोजन भी किया गया है, ताकि नगर निगम में सभी निवासरत पात्र गरीब परिवार को पक्का आवास देकर उनका सपना साकार हो सके। इसके लिए नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा अथक प्रयास किया जा रहा है ।

भिलाई नगर निगम वार्डो में करा रहा डोर टू डोर सर्वे

मठ मंदिरों की भूमि और दान की गई संपदा निजी तिजोरियों में बदल रही है -डॉ निर्वाणी

धर्म स्तंभ काउंसिल ने सांसद विजय बघेल से की निर्णायक हस्तक्षेप की मांग

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

सनातन धर्म की जड़ों पर हो रहे संगठित प्रहार और मठ मंदिरों को निजी स्वार्थ का केंद्र बनाए जाने के विरुद्ध धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ सौरव निर्वाणी ने दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल से मुलाकात कर गंभीर एवं निर्णायक चर्चा की। डॉ निर्वाणी ने दुर्ग सांसद विजय बघेल को अवगत कराया कि बेमेतरा सहित सम्पूर्ण लोकसभा क्षेत्र में स्थित निम्बार्क संप्रदाय, निर्मोही अखाड़ा, निर्वाणी अखाड़ा एवं दिगम्बर अखाड़ा से जुड़े अनेक मठ मंदिर आज परंपरागत साधु-संतों के हाथों से छीनकर गैर-धार्मिक, गैर-सनातनी और स्वार्थी तत्वों के कब्जे में चले गए हैं,

उन्होंने कहा कि सनातन मठङ्कमंदिरों का उद्देश्य कभी सत्ता, संपत्ति या व्यक्तिगत लाभ नहीं रहा ,इनका निर्माण भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की लीलाओं के माध्यम से समाज में धर्म, मर्यादा, नैतिकता और चरित्र निर्माण के लिए किया गया था, इसी पवित्र भावना से प्रेरित होकर समाज के हर वर्ग ने अपनी कृषि भूमि, संपत्ति और साधन दान स्वरूप मठों को अर्पित किए, ताकि साधु-संतों की सेवा, वंचितों का कल्याण, भागवत कथा, रामलीला, भंडारे और लोक परंपराओं का संरक्षण हो सके।

मठ-मंदिरों की जमीन बेची जा रही है, दान की गई संपदा निजी तिजोरियों में बदल रही है, और भूमाफिया सनातन संस्थाओं को निगलने में लगे हैं,यह केवल अवैध कब्जा नहीं, बल्कि सनातन चेतना और हमारी लोक आस्थाओं का गला घोंटने का षड्यंत्र है,

मठ-मंदिर किसी व्यक्ति की जागीर नहींजो इन्हें बेच रहा है, वह केवल जमीन नहीं, धर्म और संस्कृति को बेच रहा है, यदि आज यह नहीं रुका, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी। सांसद विजय बघेल ने इस गंभीर विषय पर चिंता व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि बेमेतरा सहित पूरे लोकसभा क्षेत्र में मठ-मंदिरों को अनधिकृत और गैर-परंपरागत कब्जाधारियों से मुक्त कराने के लिए हर संवैधानिक और प्रशासनिक स्तर पर सहयोग किया जाएगा, उन्होंने धर्म स्तंभ काउंसिल द्वारा प्रदेशभर में मठ-मंदिर संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए प्रदेश के धार्मिक न्यास एवं धर्मिक मामलों के मंत्री राजेश अग्रवाल से चर्चा कर ठोस पहल करने की बात भी कही। भेंट के अंत में डॉ निर्वाणी ने समाज से भी आह्वान करते हुए कहा भगवान किसी एक जाति या वर्ग के नहीं होते ,मठ-मंदिर सम्पूर्ण समाज की धरोहर हैं,अब समय आ गया है कि हर सनातनधर्मी चुप्पी तोड़े और मठ-मंदिरों की रक्षा के लिए खड़ा हो।

अब अपनाओ नई हॉबीज

सिंगिंग, डांस, पेंटिंग...इसी तरह की हॉबीज तुम्हारी और तुम्हारे दोस्तों की होंगी। पर अगर तुम कुछ नई तरह की हॉबीज अपनाओगे तो तुम सबसे हटकर बन जाओगे। वैसे भी आने वाला समय तकनीकी युग होगा और उस समय तुम्हारी आज की हॉबीज ही तुम्हें सफलता दिलाएंगी। तुम अपनी हॉबीज में क्रिएटिविटी डालकर ऐसा कर सकते हो या नई हॉबीज भी अपना सकते हो। तो क्या हैं ये हॉबीज और इनके फायदे ...

स्विमिंग को बनाओ हॉबी

स्विमिंग से पूरे शरीर का व्यायाम होता है। यह जोड़ों पर दबाव डाले बगैर सांस, रक्त संचार में सुधार लाती है। जो बच्चे स्विमिंग पसंद करते हैं, उन्हें इससे बहुत लाभ मिलता है। ये लाभ उनकी बॉडी के लिए बहुत उपयोगी होता है। दरअसल, जब तुम स्विमिंग करते हो तो उस दौरान पूरे शरीर का मूवमेंट होता है। यह मूवमेंट शरीर में लचीलापन उत्पन्न कर देता है और इससे हृदय और फेफड़े स्वस्थ बने रहते हैं। इनसे शरीर में मजबूती आती है। यही नहीं, जिनकी लंबाई कम होती है, उनकी स्विमिंग करने से लंबाई भी बढ़ जाती है।

बारिश हो तो उतारो कैनवास पर

तुम में ऐसे बहुत से होनहार होंगे, जो कुछ देख कर कैनवास पर उसे हूबहू वैसा ही उतार देते हैं। लेकिन अधिकतर मामलों में तुम किसी बुक से नकल कर वह ड्राइंग बनाते हो। क्यों न अपनी इस हॉबी को अलग ढंग से आगे बढ़ाया जाए। जैसे अगर बारिश हो रही हो तो बाहर के नजारे को कैनवस पर उतारना शुरू करो। घर की बालकनी या खिड़की से बाहर ताक-झांक करो। तुम देखोगे कि बाहर एक से एक मजेदार सीन नजर आएंगे। सब्जी वाला भैया रेहड़ी दौड़ा कर सब्जियां बचा रहा होगा तो कुछ लोग एक ही छतरी से बारिश की बूंदों से बचने की कोशिश कर रहे होंगे। बस उस दृश्य को कैनवास पर कैद कर लो।

मनी मैनेजमेंट सीखो

जिस तरह घर के खर्च के लिए मम्मा बजट बनाती हैं, तुम भी अपने सारे खर्चों का एक रिकॉर्ड रख सकते हो। एक पेपर लो, उसे दो भागों में बांट दो। एक तरफ लिखो आमदनी, दूसरी ओर खर्चा। जब भी महीने में तुम्हारे पास पैसा कहीं से भी आए, उसे तारीख के साथ दर्ज करो। दूसरी ओर वह पैसा कहां गया, उसका भी हिसाब रखो। जब तुम्हें लगे कि कोई फिजूलखर्च किया है तो उसे लाल पैन से अंडरलाइन कर दो, ताकि आगे ऐसा न हो।

तकनीक को अपनाओ

आज जहां हर रोज नए-नए गैजेट्स आ रहे हैं, वहीं कुछ बड़ों के लिए उन्हें समझना भी मुश्किल होता है, लेकिन तुम छोटे उस्ताद तो उन गैजेट्स के सभी एप्लिकेशन झट से ढूंढ़ लेते हो और सभी फीचर का अच्छे से इस्तेमाल करना भी जानते हो।

अगर तुम्हारे अंदर भी यह हुनर है तो तकनीक के सहारे काम को जल्दी से जल्दी करना अपनी हॉबीज में शामिल कर लो। जैसे अपने कंप्यूटर को वाइरस से बचाने के लिए सॉफ्टवेयर अपडेशन तकनीक सबको बताओ। अधिक से अधिक तकनीक ज्ञान हासिल करना जब तुम अपनी हॉबी में शामिल कर लोगे तो देखोगे कि सभी तुम्हें अपना दोस्त बनाना चाहेंगे और तुम्हारे मम्मी-पापा तो दूसरों से तारीफ करते नहीं थकेंगे।

बन जाओ हैरी पॉटर

हैरी पॉटर का नाम सुनते ही तुम्हें जादुई दुनिया की याद आ जाती होगी। बच्चों के अलावा बड़े भी उसकी किताबों व फिल्मों में रुचि दिखाते हैं। दरअसल हैरी पॉटर की जादुई शक्ति अपनी ओर खींचती है। तुमने कभी अपने सामने तो कभी फिल्मों में बहुत मैजिक शो देखे होंगे। मन में यह सवाल बार-बार उठता रहता है कि आखिर जादूगर अंकल ने कैसे उस व्यक्ति को आसमान में उछाल दिया, क्या उस छड़ी में कुछ जादुई शक्ति थी? अगर तुम इसे अपनी हॉबीज में शामिल करना चाहते हो तो मैजिक शो को करीब से देखो। संबंधित किताबें पढ़े।

खेलों को करीब से जानो

किसी खेल विशेष की तरफ तुम्हारा झुकाव जरूर होगा। बस तुम्हें यह पहचानना है कि किसमें बेहतर कर सकते हो और किसमें सुधार की गुंजाइश है। महानगर में बच्चों और युवाओं में क्रिकेट को लेकर जबर्दस्त बुखार है। लेकिन इसके लिए जरूरत होती है किसी योग्य गुरु या कोच की। इन दिनों तुम्हारी छुट्टियां भी चल रही हैं। क्यों न इन्हीं दिनों अपनी इन हॉबीज को आगे बढ़ाया जाए। अपनी ही सोसाइटी के उन दोस्तों को पहचानो, जो इस खेल में समान रुचि रखते हैं। बस फिर शाम किसी पार्क में या किसी कोच के माध्यम से अपने खेल में निखार लाओ। हो सकता है कि कल तुम्हारी खेलने की यह हॉबी तुम्हें बहुत बड़ा खिलाड़ी ही बना दे।

'चकमक क्लब' चलाते हैं। खाली समय में इस क्लब के लिए अपना-अपना योगदान देते हैं। इस क्लब की शुरुआत तब हुई जब सोसायटी के बच्चों ने मिलकर अपने विचार दूसरों तक पहुंचाने के लिए 'नन्हीं कलम' नाम से पत्रिका निकाली। इसमें बच्चों द्वारा लिखी गई कविताएं, कहानियां व छुटपुट समस्याएं आदि होती हैं। इस पर खर्च अधिक न हो, इसके लिए जिसकी रचना छपती, लिखाई भी उसी की होती। पूरी पत्रिका को हाथ से ही लिखा जाता। मगर पत्रिका बहुत साफ-सुथरी लगती। पढ़ने वाले को कहीं अड़चन नहीं आती। कुछ बड़े-बड़े लोग, जिन्होंने काफी नाम कमाया है, उनकी रचनाएं भी छपी हैं, वे भी उनकी लिखाई में ही लिखी होती हैं। फिर फोटोकॉपी कराकर इसकी प्रतियां बांटी जातीं हैं। सब बच्चे पूरे मन से इसकी बाइंडिंग आदि के काम में जुट जाते हैं।

अपना क्लब बनाओ

अलग-अलग तो सभी कुछ न कुछ करते हैं, मगर सभी को साथ लेकर सभी की हॉबीज को एक साथ एक छत के नीचे समान अवसर देना भी किसी कला से कम नहीं। ऐसा ही कुछ करते हैं वसुंधरा एन्कलेव, दिल्ली में कुछ बच्चे, जो मिलजुलकर

हॉबीज से मिली जिन्हें प्रेरणा...

दादा साहेब फाल्के

दादा साहेब फाल्के को भारतीय सिनेमा का जनक कहा जाता है, क्योंकि उनकी बनाई हुई फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' (1913) भारत की पहली फिल्म थी। उनके नाम पर स्थापित दादा साहेब फाल्के पुरस्कार फिल्म जगत की एक जानी-मानी हस्ती को हर वर्ष दिया जाता है। दादा साहेब फाल्के का पूरा नाम धुंधिराज गोविन्द फाल्के था। उनका जन्म 30 अप्रैल 1870 को महाराष्ट्र के त्रयम्बकेश्वर (नासिक) नामक स्थान पर हुआ था। बचपन से ही उनकी कला संबंधी विषयों में बहुत रुचि थी। 15 वर्ष की आयु में आजीविका कमाने के लिए ड्राइंग सीखने वे जेजे स्कूल ऑफ आर्ट्स, बंबई में भर्ती हुए, लेकिन कलाओं में रुचि होने के कारण उन्होंने बड़ौदा के कला भवन में फोटोग्राफी, मॉडलिंग, आर्किटेक्चर और जादू जैसी कलाएं भी सीखीं। इन कलाओं से उनको बड़ी ऊर्जा मिली और आगे चल कर ये उनके फिल्म निर्माण के काम में बड़ी सहायक सिद्ध हुईं।

सर सीवी रमन

रमन प्रभाव के जनक सर चंद्रशेखर वेंकटरमन को 1930 में नोबेल पुरस्कार मिला। 1954 में उन्हें 'भारतरत्न' से अलंकृत किया गया। उनका जन्म तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली के पास एक गांव में हुआ। बालक चंद्रशेखर वेंकटरमन को नैतिक शास्त्र, गणित और दर्शनशास्त्र का ज्ञान अपने पिता से विरासत में मिला। स्वयं उनकी भी इन विषयों में बहुत रुचि थी। बचपन में ही वे वॉयलिन बहुत अच्छा बजाने लगे थे। इस वाद्य यंत्र ने वेंकटरमन के वैज्ञानिक मन को बहुत प्रेरणा और ऊर्जा प्रदान की। कॉलेज में पढ़ते समय उन्होंने तारों की झनकार पर प्रयोग किए थे। आगे भी उन्होंने इस विषय पर कई प्रयोग किए।

इंदिरा गांधी

इनका जन्म 19 नवंबर, 1917 को नेहरू परिवार में इलाहाबाद के आनंद भवन में हुआ। आनंद भवन में हरदम राजनीतिक वातावरण बना रहता, इसीलिए बचपन में ही इंदिरा की रुचि राजनीति में हो गई। बारह-तेरह वर्ष की उम्र में ही वे राजनीति में उतर आईं। उस समय उन्होंने कांग्रेस की सहायता के लिए बच्चों की एक वानर सेना बनाई, जिसमें 70,000 बाल सैनिक तैयार हो गए। बचपन में बनाई यह वानर सेना इंदिरा को प्रेरणा देती रही और वे राजनीति में आगे बढ़ती रहीं।

हॉबीज के फायदे

आगे बढ़ोगे

आज तुम जैसे बच्चे टीवी के अनेक सीरियल्स में छाए हुए हैं। अधिकतर विज्ञापनों में तुम बच्चे ही नजर आते हो। दरअसल ऐसे बच्चे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ स्कूल के नाटकों, प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने में कभी नहीं हिचकते।

होते हैं रिफ्लेक्सेस शॉर्प

क्लास में जब तुम्हारी टीचर अचानक से कुछ पूछती हैं तो स्मार्ट बच्चे तुरंत उत्तर दे देते हैं। तुम गौर करना, उनकी कोई न कोई मजेदार हॉबी जरूर होगी। उनकी वह एक्टिविटीज रिफ्लेक्सेस को शॉर्प करती हैं। जैसे डिबेट में भाग ले रहे उस हाजिर जवाब बच्चे को देखो, जो तुम्हारे प्रश्न पूछने पर घबराता, ठिठकता नहीं, तुरंत उसका जवाब दे देता है। उस बॉक्सर को देखो, जो अपनी ओर आ रहे पंच को पहले से भांप लेता है और बचाव के लिए चौकन्ना हो जाता है।

नजरिए में बदलाव

हॉबीज से तुम पॉजिटिव हो जाते हो। तुम्हें लगने लगता है कि तुम किसी भी क्षेत्र में कुछ भी कर सकते हो। ऐसे बच्चों को देख कर ही लगता है कि वे आत्मविश्वासी हैं। हॉबीज जहां तुम्हें अनुशासित बनाती हैं, वहीं तुम्हारे अंदर टीम स्प्रिट की भावना पैदा करती हैं, तुम्हें समय का पाबंद बनाती हैं।

कॅरियर की राह

अगर तुम भी स्पेनिश, फ्रेंच, या अंग्रेजी क्लब का हिस्सा हो तो उस भाषा में महारत हासिल कर लो। क्या पता, कल खेल-खेल में सीखी यही भाषा तुम्हारी ताकत बन जाए, तुम्हें कॅरियर की कोई राह सुझा दे। इसलिए तुम अभी से अपनी कोई हॉबी चूज कर लो और उसमें आगे बढ़े।

खाली बैठे हो तो.. कुछ क्रिएटिव करो

प्यारे बच्चों, नोलॉजी नामक इस वेबसाइट का नाम सुनकर जरूर तुम्हें फनी लगा होगा। जैसा नाम है, वैसा ही इसका काम भी है। अपने नाम के अनुरूप ही यहां पर तुम्हारे लिए ढेर सारे फन और मस्ती का इंतजाम है।

आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स में बढ़ाओ ज्ञान

वेबसाइट के क्राफ्ट्स सेक्शन में काफी कुछ है। इस सेक्शन पर क्लिक कर तुम अपनी आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स क्रिएटिविटी में निखार ला सकते हो। यहां पर क्लिक करने पर तुम्हें तरह-तरह के डिजाइन और कई तरह के आकर्षक और क्रिएटिव सामान बनाने के बारे में जानकारी मिलेगी। टिशू पेपर, पेंसिल, चार्ट पेपर, ग्लू आदि का इस्तेमाल कर तुम कई तरह के आकर्षक कार्ड, पेंटिंग, टीशर्ट पेंटिंग आदि के बारे में सीख सकते हो।

जूनियर मास्टर शेफ की ट्रेनिंग लो यहां

यह वेबसाइट तुम्हें जूनियर मास्टर शेफ बना सकती है। रेसिपी के सेक्शन पर क्लिक करने पर तुम्हें ढेर सारी रेसिपी के बारे में जानकारी मिलेगी। इतने सहज तरीके से यहां पर रेसिपी बनाने के बारे में बताया गया है कि तुम एक बार पढ़कर ही किचन में ट्राई करने चले जाओगे। यहां से ट्रेनिंग लेकर और रेसिपी बनाने में मास्टर बनकर टीवी पर आनेवाले शेफ प्रोग्राम्स में हिस्सा भी ले सकते हो।

मैजिशियन बनो

तुम्हें मैजिक देखना कितना अच्छा लगता है। तुम चाहो तो यहां दिए टिप्स का इस्तेमाल कर मैजिशियन भी बन सकते हो। बहुत सारी आसान मैजिक ट्रिक्स को काफी आसान तरीके से यहां बताया गया है, जिन्हें सीखकर दोस्तों और घरवालों के सामने दिखाकर तुम छोटा जादूगर बन सकते हो ।

अमेजिंग फैक्ट्स हैं भरपूर

वेबसाइट के ट्रिविया सेक्शन को क्लिक करने पर तुम्हें ढेर सारे अमेजिंग फैक्ट्स के बारे में जानकारी हासिल होगी। यहां पर पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, कीड़े-मकोड़े, मनुष्य, भाषा, अंतरिक्ष, मौसम और वातावरण के बारे में कई सारी अद्‌भुत जानकारियां हैं, जो कहीं और तुम्हें ढूंढ़ने से भी नहीं मिलेंगी।

जोक्स और गेम्स का लुत्फ उठाओ

खास तुम्हारे लिए जोक्स सेक्शन में काफी मजेदार चुटकुले हैं। एनिमल जोक्स, बर्ड जोक्स, हॉलिडे जोक्स, स्पेस जोक्स, मिक्स एंड मैच जोक्स पर क्लिक करने पर ऐसे-ऐसे चुटकुले मिलेंगे, जिन्हें पढ़कर तुम हंसते-हंसते लोट-पोट हो जाओगे। इसके अलावा गेम्स में कई तरह के इंडोर और आउटडोर गेम्स के बारे में भी जानकारी है। तो देर किस बात की, पापा के मोबाइल या लैपटॉप पर इंटरनेट ऑन करो और इस वेबसाइट पर क्लिक करके अपनी क्रिएटिविटी बढ़ाते हुए समर वेकेशन को यादगार बनाओ।

लिटिल मिलेनियम एप्स आजमाओ...

दोस्तों, हम आज तुम्हें ऐसे एप्स के बारे में बताएंगे, जहां तुम खेल सकते हो और बिना शुल्क दिए काफी कुछ नया भी सीख सकते हो। यहां हर तरह की एक्टिविटीज कर पाओगे और मम्मी रोकेंगी भी नहीं..

आजकल तुम्हारी गर्मियों की छुट्टियां चल रही हैं। दिन की धूप में जब मम्मी तुम्हें घर से बाहर नहीं जाने देती हैं तो तुम उस समय में कुछ ऐसा कर सकते हो, जिससे मम्मी भी खुश हो जाएं और तुम खेल भी लो। ऐसे ही एप्स हैं लिटिल मिलेनियम एप्स। इन एप्स की खासियत ये है कि इनमें तुम्हारे लिए पोयम्स, थीम्स, इंग्लिश स्पीकिंग मॉड्यूल्स तो हैं ही, साथ ही कई सारे गेम्स हैं, मैनर्स हैं और फन के तरीके भी। तुम्हें सबसे ज्यादा पसंद आएगा स्टोरी एप, जहां तुम कई सारी कहानियां सुन सकते हो और उनके विजुअल भी देख सकते हो। तुम अपने छोटे भाई-बहन को हाउ टू काउंट, पजल सॉल्विंग, डिफरेंस बिटवीन बिग एंड स्मॉल आदि के जरिए बिजी भी रख सकते हो।

कौसानीः हिमालय में प्रकृति की एक सुंदर कविता

महात्मा गांधी ने कौसानी के अपने हते के प्रवास के दौरान यह उद्धरण दिया था कि सुन्दरता की खोज में पता नहीं क्यों लोग यूरोप जाते हैं जबकि कौसानी में ही स्विट्जरलैंड विद्यमान है। शांत गांव, फलों से लदे बगीचे, चीड़ के पंक्तिबद्ध पेड़, चाय बागान, पहाड़ों में सर्पीले घुमाव भरे रास्ते कौसानी को बेहद खूबसूरत स्थल की गरिमा प्रदान करते हैं।

■ **सुमित्रानंदन पन्त गैलरी :** प्रयात कवि सुमित्रानंदन पन्त की जन्मस्थली होने के कारण कौसानी में इस गैलरी का निर्माण किया गया। यहां तक पहुंचने वाला रास्ता पन्त मार्ग कहलाता है। यहां अल्मोड़ा के नेशनल यूजियम की एक शाखा संचालित है। यह कौसानी के मुख्य चौराहे के बिल्कुल समीप ही अवस्थित है। यहां पन्त जी द्वारा प्रयोग में लाये गए टेबल, कुर्सी तथा हरिवंश राय बच्चन, अमिताभ बच्चन के साथ की दुर्लभ तस्वीरों का संग्रह भी है।

■ **यहां कैंपिंग कर सकते हैं :** कौसानी में आपको कैंपिंग करने का भी मोका मिलेगा। यहां आप अपनी जरूरतों से समझौता किए बिना प्रकृति की सुदंरता के करीब रहकर शांत वातावरण का अनुभव कर सकते हैं। अगर आप एक ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्हें शांति, सुकून, प्रकृति की सैर और पक्षियों को देखना अच्छा लगता है, तो आपको कौसानी जरूर जाना चाहिए। एडवेंचर पसंद करने वाले लोग माउंटेन बाइकिंग, रॉक क्लाइम्बिंग और रैपलिंग जैसी एडवेंचर एक्टिविटीज का हिस्सा बन सकते हैं। यहां पर ईको एडवेंचर, पदमपुरी और कलसी फेमस कैंप हैं।

■ **शॉल फैक्टरी:** पारंपरिक कुमाऊंनी कलाकृति को बढ़ावा देने और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का स्रोत प्रदान करने के लिएए 2002 में कौसानी शॉल फैक्ट्री शुरू की गई थी। तब से, कौसानी शॉल पर्यटकों के लिए एक तरह की आकर्षण का केंद्र बनी है। स्थानीय बुनकरों के डिजाइन किए गए, कई रंगों और सुंदर डिजाइन में आपको यहां मिलेंगे।

■ **सोमेश्वर घाटी :** सोमेश्वर घाटी कौसानी से सिर्फ 10 किमी दूर है और यह दो नदियों कोसी और साई के तट पर एक हिडन जेम है। यह घाटी सीढ़ीदार चावल के खेतों और देवदार से ढके पहाड़ों के लुभावने दृश्य दिखाती है। आप यहां लॉन्लोग वॉक्दस, कैंपिंग और साइकलिंग का आनंद ले सकती हैं। इसके साथ ही यहां सोमेश्वर मंदर भी बहुत लोकप्रिय है।

दिल्ली के करीब है

बेहद शांत और प्राचीन प्राकृतिक सुंदरता की तलाश करने वाले लोगों के लिए कौसानी दिल्ली के करीब सबसे खूबसूरत डेस्टीनेशन्स में से एक है। दिल्ली से इसकी दूरी मात्र 412 किमी है। हिल स्टेशन उत्तराखंड में है। पेड़ों से घिरा कौसानी प्रकृति की सैर करने के लिए एक अच्छी जगह है। यहां के जंगलों में आप बेहद शांति का अनुभव करेंगे।

अनासक्ति आश्रम

अनासक्ति या गांधी आश्रम महात्मा गाँधी को समर्पित स्थल है। यहां के शिखर सोपान से हिमालयी चोटियों का विहंगम नजारा लिया जा सकता है। यहां गांधी साहित्य से भरा एक पुस्तकालय भी है। यहां पर्यटन सीजन में लगभग 1000 पर्यटक रोजाना आते हैं। यहां स्थित प्रार्थना कक्ष में सुबह-शाम विशेष प्रार्थना भी होती है।

चश्मे में क्यों छिपाएं, अपने फीचर्स को करें हाइलाइट

अगर आप आंखों पर पावर वाला चश्मा पहनती हैं तो हो सकता है आप आंखों के मेकअप को गैरजरूरी मानते हुए इस ओर कभी ध्यान देने की जरूरत ही नहीं समझती होंगी। आंखों के चश्मे के भीतर होने के बावजूद इन्हें और छिपाने की बजाय मेकअप से चेहरे के फीचर्स को हाइलाइट करके भी ग्लैमरस देखा जा सकता है।

■ **आईब्रोज :** इनकी कंटूरिंग आपके चश्मे पर निर्भर करती है। यदि आपके चश्मे का फ्रेम बड़ा है तो आपको ज्यादा मेकअप नहीं करना चाहिए। कुछ चश्मों के फ्रेम ऐसे होते हैं, जिनमें आईब्रोज ऊपर से साफ दिखायी देती है। कुछ भी हो अपनी आईब्रोज को ग्रूम कराएं। इन्हें वैक्स, थ्रेड या प्लकर की मदद से शेप में रखें। आईब्रोज के भीतर गैप्स को भरने के लिए आईब्रो पैंसिल का इस्तेमाल करें, लेकिन उन्हें ज्यादा काला भी न बनाएं। जिनकी नेचुरली आईब्रोज पतली हैं और उन पर बाल कम है उन्हें भरने के लिए ज्यादा गहरे रंग का इस्तेमाल न करें।

■ **चश्मे का फ्रेम :** यदि आपके चश्मे का फ्रेम का रंग वार्म है तो आईब्रो और लिपिस्टक में वार्म टोन का इस्तेमाल करें। अपने फ्रेम के अनुसार मेकअप रखें। फ्रेम के कलर से मेल खाता आईशेडो लगाएं। फ्रेम बोल्ड और गहरे कलर का है तो आई लिड्स पर मोटी लाइन लगाएं और न्यूट्रल कलर का आईशेडो इस्तेमाल में लाएं। हल्के रंग के रिमलैस फ्रेम में गहरे रंग का आईशेडो अच्छा लगता है। गहरे काले रंग के हैवी फ्रेम के साथ आईशेडो ब्राइट कलर का रखें।

■ **लिपिस्टक :** कलरफुल फ्रेम के साथ लिपिस्टक का रंग हल्का होना चाहिए। यदि ग्लासेज की क्लासिक हैं तो बोल्ड लिपिस्टक का शेड चुनें। हल्के टिंटेड ग्लासेज के साथ ब्राइट आईशेडो का इस्तेमाल करें ताकि लिप्स भी बोल्ड इफेक्ट दे। आईब्रो या लिप्स दोनो में से एक को हाईलाइट करें। यदि आपका फ्रेम सुंदर है और आईशेडो भी अच्छा है तो लिप कलर डार्क नहीं होना चाहिए।

■ **पलकें और बरोनियां :** आंखों को बड़ी और ब्राइट दिखाने के लिए आईलैशेज को कर्ल करें। आईलाइनर की मदद से एक पतली लाइन खींचें जो आंखों के कोनो तक जाएं। यदि आप नेचुरल लुक चाहती हैं तो ब्लैक की बजाय ब्रांच, ब्राउन या ग्रे आईलाइनर का इस्तेमाल करें। छोटे ब्रश वाला मस्कारा आईलिड्स पर लगाएं, ताकि मस्कार न फैले।

■ **लिक्विड कंसीलर :** ज्यादा क्रीमबेस कंसीलर को आंखों पर लगाने से चेहरे पर मेकअप की कई परतें दिखती हैं। चश्मे का शीशा अगर ज्यादा पावर का है तो लिक्विड कंसीलर चुनें। यह आपकी त्वचा से मेल खाता है।

■ **फ्रेम का चयन :** चश्मे के फ्रेम का चयन अपनी आंखों और साइज के अनुरूप करें। यदि आपका चेहरा छोटा है तो ओवल शेप फ्रेम चुनें। यदि आपका चेहरा गोल और मध्यम या बड़ी आंखें हैं तो कैट आई ग्लासेज का चयन करें। मेकअप करते समय ग्लासेज को ऊपर उठाएं और मेकअप पूरा करने के बाद ही इन्हें लगाएं। बीच में ही बार-बार ग्लासेज लगाने से मेकअप खराब हो सकता है। मेकअप को उतारते समय ग्लासेज को भी उतारकर अलग रखें।

वर्ल्ड आर्ट्स डे

अभिव्यक्ति और भावनाओं का शक्तिशाली माध्यम

कला हमेशा से ही अभिव्यक्ति और भावनाओं को तलाशने का एक शक्तिशाली माध्यम रहा है। यही वजह है कि कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हर साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस का आयोजन किया जाता है।

साथ ही इस दिन के बहाने सामान्य लोगों के बीच अलग-अलग कलाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का काम किया जाता है। पहली बार विश्व कला दिवस यानी वर्ल्ड आर्ट डे 15 अप्रैल 2012 में मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन के मुताबिक विश्व कला दिवस का लक्ष्य समाज में कलात्मक अभिव्यक्तियों को दृढ़ता से एकीकृत करना है। यही नहीं, समाज के विकास में कला के महत्व और योगदान को भी बताना है।

कैसे मनाया जाता है कला दिवस

दुनियाभर में विश्व कला दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। शैक्षणिक संस्थानों में बच्चों व युवाओं को कला से जोड़ने के लिए तरह-तरह के आयोजन आदि किए जाते हैं।

बहुत से लोग ट्रैवलिंग के दौरान अपने कपड़े, जूते, हेल्थ से संबंधी दवाएं तो ले जाना याद रखते हैं पर मेकअप के सामान पर ध्यान नहीं देते। सफर के दौरान भी आपको कॉस्मेटिक्स की आवश्यकता पढ़ती है तो ध्यान दें क्या क्या लेकर जाएं अपने साथः

कॉस्मेटिक्स रखें साथ, जब करें सफर

■ सफर में हमेशा साथ बॉडी लोशन रखें। इसे आप प्लास्टिक की बोतल में रख सकते हैं ताकि सफर के दौरान वे टूटने न पाएं।

■ सफर में धूल मिट्टी का साथ तो वैसा है जैसा धूप छांव का। धूल मिट्टी से त्वचा रफ और गंदी हो जाती है इसे साफ रखने के लिए अपने साथ टोनर की छोटी बोतल और छोटा कॉटन रोल रखें। इससे आप सफर में अपनी त्वचा की सफाई का पूरा ध्यान रख सकती हैं।

■ सनस्क्रीन लोशन भी अपने बैग में रखना न भूलें ताकि बाहर निकल कर आपकी त्वचा पर अल्ट्रा वॉयलेट किरणें प्रभाव न डाल रखें।

■ अपने साथ छोटी शीशी वैसलीन की रखें ताकि हाथों पैरों और चेहरे पर इसे लगा सकें।

■ काजल पेंसिल साथ रखें जिसका प्रयोग आप आई लाइनर और काजल की तरह कर सकते हैं।

■ बैग में डबल ब्लशर रखें ताकि उसका प्रयोग ब्लशर और लिपस्टिक दोनों के लिए प्रयोग कर सकें। ब्लशर का शेड कुछ नेचरल लें ताकि हर अवसर पर उसका प्रयोग कर सकें।

■ मच्छरों से बचाने हेतु मॉस्किटो कॉइल अवश्य रख लें ताकि जहां आप जा रहे हैं स्वयं को मच्छर काटने से बचा सकें।

■ त्वचा की ताजगी हेतु पानी का सेवन करते रहें। अपने साथ बड़ी बोतल पानी की रख लें। अगर और आवश्यकता पड़े तो सील बंद बोतल ही खरीदें।

■ बालों की सफाई हेतु शैपू, कंडीशनर के सैशे रख लें ताकि बाहर बालों की गंदगी से बचा जा सके।

■ सफर में बालों को बांध कर रखें। बैग में एक दो क्लचर रबड़ बैंड साथ रखें।

गर्मियां आईं परेशानियां लाईं

जाड़े के मौसम के बाद गर्मी का मौसम ठंड और ठंड से होने वाली परेशानियों से निजात तो दिलाता है, लेकिन गर्मी के मौसम में भी हीट स्ट्रोक्स, सनबर्न, रेशेज, पसीने की दुर्गंध जैसी समस्याएं तापमान बढ़ने के साथ-साथ और ज्यादा बढ़ जाती है। इस मौसम में होने वाली एलर्जी से एंटीबॉयोटिक्स से काफी हद तक राहत तक पायी जा सकती है। इसके अलावा हमारी रसोई में और बहुत सारी चीजें हैं जिनका इस्तेमाल करके हम इस मौसम में होने वाले परेशानियों से उबर सकते हैं।

सनबर्न : तेज धूप में बाहर रहने से त्वचा झुलस जाती है। इससे शरीर में पानी की कमी होने के साथ थकान भी ज्यादा लगती है। सन स्क्रीम और सनब्लॉक से केवल कुछ हद तक ही बचाव हो सकता है, लेकिन कई बार तेज धूप से बचाने में ये भी नाकाम रहते हैं। सनबर्न से बचने के लिए हमारे गार्डन में उगा एलोवेरा काफी सहायक हो सकता है। ऐलोवेरा के पौधे में मौजूद जैल में कई ऐसे तत्व पाये जाते हैं जो सनबर्न से राहत दिलाते हैं। इसके अलावा कोकोनट ऑयल भी झुलसी हुई त्वचा की जलन को कम करता है। ठंडे दूध का इस्तेमाल किया जाता है या पपीते के पेस्ट को झुलसी त्वचा पर लगाया जा सकता है। यदि आप सनबर्न को कम करना चाहते हैं तो हल्के पके टमाटर का सेवन करना चाहिए। टमाटर में मौजूद लाइकोपिन हमारे शरीर को सूर्य की किरणों से प्रोटेक्शन देता है।

पसीने की दुर्गंध : गर्मी के दिनों में पैरों में पसीना आने के कारण उनसे बदबू आने लगती है। इसके लिए डियोड्रेंट और टेलकम पाउडर तथा परफ्यूम्स का सहारा लेना पड़ता है। लेकिन हमारी रसोई में कई ऐसे चीजें हैं, जिनका इस्तेमाल करके गर्मी में होने वाली इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। पैरों को साबुन से धोने के बाद इन पर टमाटर का जूस लगाएं या नहाने के पानी में इसे मिलाकर 15 मिनट तक पैरों को उसमें डुबोकर रखें। नहाने के बाद अंडरआर्म्स को बेकिंग सोडा मिले पानी से साफ करें। इससे बैक्टीरिया खत्म होते हैं। पैरों की बदबू को दूर करने के लिए अपने शूज में अंदर की ओर डियूड्रेंट लगाएं। काले नमक मिले पानी में 10 मिनट तक पैरों को भिगोकर रखें इससे काफी फायदा होता है।

मुंहासे : गर्मी के दिनों में हमारी त्वचा ऑयली हो जाती है जिससे ब्लैक हैड्स और ब्रेक आउट्स होते हैं। गर्मी और नमी से हमारे रोमकूप ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं, जिसकी वजह से चेहरे और शरीर पर मुंहासे हो जाते हैं। इसके लिए चेहरे को बार-बार धोएं और इसे ऑयल फ्री रखें। लेमन जूस और गुलाब जल का इस्तेमाल स्किन टोनर के रूप में करें। चेहरे पर खीरे का रस लगाएं। संतरे के छिलके को सुखाकर पीस लें और इसे उस जगह पर लगाएं जहां मुंहासे हों। इसके लिए टूथपेस्ट का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। इसमें मैंथोल और कई एंटीबैक्टीरियल तत्व होते हैं जो मुंहासों की समस्या से राहत दिलाते हैं।

खुजली : तेज धूप और गर्मी में पसीना ज्यादा आने के कारण त्वचा के रोमकूप बंद हो जाते हैं और खुजली होने लगती है। इससे निजात पाने के लिए पिपरमेंट टी को जमाकर चेहरे पर लगाएं। पिपरमेंट में मैंथोल होता है, जो खुजली को कम करता है, इसे लगाने के बाद चेहरे को थपथपाएं या इस हिस्से पर बेबी पाउडर लगाएं। कैलामिन लोशन का इस्तेमाल रेशेज से राहत दिलाता है। पसीने और खुजली से राहत पाने के लिए हल्के सूती वस्त्र पहनें। इस मौसम में कीड़े-मकोड़ों के काटने का भी खतरा रहता है। किसी जीव जंतु के काटने पर उस हिस्से पर थोड़ा सिरका लगा दें तो दर्द से राहत मिलती है। विषैले जीव के डंक के लिए बेकिंग सोडा, पानी का पेस्ट उस हिस्से पर लगाने से दर्द और खुजली से राहत मिलती है।

अपच और पेट की गड़बड़ियां : गर्मी के मौसम में बासी या खराब खाना खाने से डायरिया और उल्टी की समस्या हो सकती है। कभी-कभी प्रदूषित पानी से भी ऐसा होता है।

सही नहीं है बच्चों में भेदभाव करना

ईर्ष्या, प्रतिस्पर्धा, पक्षपात यह कुछ ऐसी फीलिंग्स हैं जो बच्चों में होती है। जब उन्हें लगता है कि उनके छोटे या बड़े भाई को पैरेंट्स ज्यादा महत्व देते हैं, वे उनसे गुस्सा कम करते हैं, उन्हें डांटते कम हैं, शाबासी भी उन्हें ज्यादा देते हैं। बच्चों में इस तरह की प्रतिस्पर्धा स्वभाविक है। इस प्रकार की मानवीय भावनाएं बड़ों में भी होती हैं। कई बार तो हद तब हो जाती है जब बच्चों में इस तरह के व्यवहार को लेकर उनके मन में गांठ बन जाती है। जो ताउम्र उन्हें परेशान करती हैं। कई बार बच्चे अपने पैरेंट्स का ध्यान आकर्षित करने के लिए या किसी काम में उनकी स्वीकृति पाने के लिए भी ऐसा करते हैं।

■ **तुलना न करें :** बच्चों में इस प्रकार की ईर्ष्या, जलन और प्रतिस्पर्धा की सबसे बड़ी वजह होती है जब पैरेंट्स अपने एक बच्चे की तुलना दूसरे के साथ करते हैं। पैरेंट्स की तुलना बच्चों में हीनभावना पैदा करती है और उसमें अपने भाई या बहन के प्रति ईर्ष्या और प्रतिस्पर्धा भी बढ़ जाती है। बच्चों के बीच कई बार हमेशा के लिए रिश्तों में खटास पड़ जाती है।

■ **बच्चे को पर्याप्त समय दें :** कई बार पैरेंट्स छोटे बच्चे की परवरिश में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि बड़ा बच्चा इससे अपने को उपेक्षित समझने लगता है। उसके साथ अकेले कुछ वक्त गुजारें, उसके साथ खेलें और उसकी फीलिंग्स को जानें। उसके मन में अगर कोई शंका होगी तो वह खुद ब खुद आपसे कहेगा और इस तरह उसे दूसरे भाई- बहनों के और करीब रहने का मौका मिलेगा।

■ **गलतफहमी दूर करें :** यदि बच्चा बार-बार अपनी मां से एक ही बात कहता है कि वे उसके भाई या बहन को ज्यादा प्यार करती है, मुझे नहीं करती। उसके दिमाग में यह बात और गहराई तक बैठ जाए तो उसके लिए थोड़ा नजर अंदाज भी करें। उसकी शंका दूर करने के लिए उससे बातचीत करें। दो बच्चों के बीच होने वाली बहस में किसी एक पक्ष लेने की बजाय दोनो को समझाएं। इससे उनके बीच की आयी दूरी धीरे-धीरे खत्म हो जाती है।

■ **किसी एक का पक्ष न लें :** बच्चों की आपसी लड़ाई में उनकी बातचीत को समझकर और लड़ाई की वजह जानने के बाद निष्पक्ष निर्णय देने पर किसी न किसी का नाराज होना स्वभाविक है। इसलिए झगड़े की तह में जाकर और किसी एक को कसूरवार ठहराने की बजाय तटस्थ होकर उन्हें अपना झगड़ा स्वयं सुलझाने की सीख दें।

■ **बीच में न पड़ें :** बच्चे यदि आपस में बहस कर रहे हैं तो हो सकता है दोनो अपना झगड़ा खुद सुलझा लें। उनकी बातचीत में हस्तक्षेप न करें। हां, अगर गाली गलौज या हाथापाई की नौबत आ जाती है तो बीच-बचाव करें। जिसकी गलती हो उसे सजा भी दें और उन्हें समझाएं कि वे एक दूसरे से बातचीत करके अपनी गलतफहमियों को दूर करें। दोनो को झगड़े के बाद समान रूप से गले लगाएं, प्यार करें।

मुख्य सचिव से शिकायत, 48 घंटे में कार्रवाई की मांग, वरना न्यायायल की शरण में जाने, रीट याचिका दायर करने की बात कही

रिसाली नगर निगम में महापौर और आयुक्त के बीच छिढ़ी जंग, एमआईसी सदस्यों ने खोला मोर्चा

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

नगर निगम रिसाली का राजनीति माहौल बिगड़ता जा रहा है। अबतक अधिकारी और महापौर के बीच टेस्ट मैच चल रहा था, लेकिन अब 20-20 शुरू हो गया है।

आयुक्त मोनिका वर्मा और महापौर शशी सिन्हा के बीच का विवाद इतना बढ़ चुका है कि अब आर-पार की लड़ाई शुरू हो गई। गुरूवार को मेयर ने अपने सभी एमआईसी मेंबर के साथ महानदी भवन पहुंच कर मुख्य सचिव से आयुक्त मोनिका वर्मा की जम कर शिकायत की। सिर्फ इतना ही नहीं मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंप कर मांग की है कि 48 घंटे के अंदर निगमायुक्त को तत्काल प्रत्यावर्तित (री-सेल) एवं निलंबित करें। यदि समय सीमा पर कार्रवाई नहीं की गई तो वे वित्तीय गबन और प्रशासनिक शून्यता के विरूद्ध हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे और राज्यपाल से भी शिकायत करेंगे। इस तरह की 4 अलग-अलग लेटर पेड में महापौर ने 4 अलग-अलग मामलों को लेकर शिकायत की है।

आप को बंता दे कि नगर निगम रिसाली में शहर सरकार कांग्रेसी की है। जब भाजपा की सरकार बनी है। तब से यहां का राजनीतिक महौल बिगड़ा हुआ है। सत्ताधारियों के संरक्षण और मार्गदर्शन में काम कर रहे

चल रहा है। स्थिति ऐसी है कि दोनों एक दूसरे को निपटाने राजनीति और कानूनी दावपेंच खेल रहे है। कुछ माह पहले शहर सरकार को गिराने, महापौर को कुर्सी से हटाने की थे, लेकिन अब बीते कुछ माह से महापौर शशि सिन्हा फ्रंट फुट पर खेलना शुरू कर दी है। और अब खुद ही अपनी टीम के साथ आयुक्त को हटवाने खुली लड़ाई शुरू कर दी है।

जानिए क्या है शिकायतें

शिकायत में लिखा है कि धारा 97 के तहत 30 नंवबर तक बजट अनुमान प्रस्तुत करना था। निगमायुक्त इसमें पूर्णतः विफल रही। इसलिए 1 दिसंबर से जो भी भुगतान हुआ है। वह सब अवैध है। वित्तीय कदाचार है। 48 घंटे के भीतर उक्त निगमायुक्त को तत्काल प्रत्यावर्तित एवं निलंबित कर उनके द्वारा 1 दिसंबर से किए गए अवैध भुगतानों की उच्चस्तरीय जांच सुनिश्चित करें। यदि 48 घंटे की समय सीमा में कार्रवाई नहीं होती है तो वित्तीय गबन, प्रशासनिक शून्यता के विरुद्ध हाईकोर्ट जाएंगे।

आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो से जांच की मांग

दूसरी शिकायत में बताया गया है कि मोरिद जलाशय से बीते 3 साल से पानी की जांच किए बिना, फिल्टर किए बिना ही अशुद्ध पानी की सप्लाई की जा रही है। इससे इंदौर की तरह रिसाली में भी सैंकड़ों की जान जा सकती है। इस मामले की आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो से जांच कराने की मांग की गई। इस तरह मनमानी करने, कानूनी के विरुद्ध काम करने, एमआईसी की बिना स्वीकृति के टेंडर कर ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने जैसे कई शिकायत की गई है।

भिलाई निगम के कुर्की दल ने 1.38 लाख रुपए वसूले

नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा निगम की वित्तीय स्थिति में सुधार लाने लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी कुड़ी में निगम का कुर्की दल ने गुरूवार को जोन क्रमांक- 2 वैशाली नगर अंतर्गत 1,03,506.00 लाख एवं 5 क्षेत्र के बकायादारों से 23,137.00 तथा सड़क बाधा शुल्क 6,000.00 इस प्रकार कुल 1.38 लाख रुपए वसूल किये है।

नगर निगम भिलाई क्षेत्र के बकायादारों से संपत्तिकर की लंबित राशि की वसूली हेतु कुर्की दल बकायादारों से डोर-टू-डोर संपर्क कर रहे

हैं। कुर्की दल द्वारा बकायादारों को समझाया जा रहा है कि मौके पर ही अपने भवन अथवा भूमि का बकाया संपत्तिकर की राशि भुगतान कर दें, अन्यथा संपत्ति कुर्की कर बकाया राशि वसूल किया जाएगा। कुर्की से बचने भूमि अथवा भवन स्वामी मौके पर ही राशि 1,38,643.00 रुपए जमा किये है। नगर निगम भिलाई द्वारा नागरिको से अपील किया गया है कि अपने बकाया संपत्तिकर की राशि जल्द ही निगम कोष में जमा कर दें, अन्यथा की स्थिति में संपत्ति को कुर्की कर राशि वसूल किया जायेगा। जिसकी जवाबदारी भवन, भूमि स्वामी के स्वयं की होगी। कुर्की के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, दुर्योधन साहू, गणित बघेल, टेकराम हरिन्द्रवार एवं भूषण सागर उपस्थित रहे।

भिलाई नगर निगम की एमआईसी में शहर के विकास व जनसुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर लगी मुहर

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर परिषद की महत्वपूर्ण बैठक आज महापौर नीरज पाल एवं अपर आयुक्त सह सचिव राजेन्द्र कुमार दोहरे की उपस्थिति में आहूत की गई। बैठक में जनहित, अधोसंरचना विकास और निगम की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने हेतु डामरीकरण, कचरा प्रबंधन और लीज भूखंडों के प्रयोजन परिवर्तन जैसे अहम विषयों पर गहन चर्चा के बाद कई प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई।

विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा 30 वर्षीय लीज पर आवंटित भूखंडों के प्रयोजन परिवर्तन हेतु विधि अनुसार प्रक्रिया निर्धारण पर परिषद ने पुनर्विचार कर अपनी सहमति दे दी है। इससे लंबे समय से लंबित प्रकरणों का निराकरण हो सकेगा। ?जोन-3 के अंतर्गत वार्ड 31 बैकुण्ठधाम स्वागत द्वार से स्वास्थ्य कार्यालय तक और वार्ड 35 किशन चौक से पप्पू चौक होते हुए 1 नंबर पंप हाउस तक डामरीकरण कार्य को मंजूरी दी गई है, जिससे आवागमन सुगम होगा।

एसएलआरएम सेंटर में कचरा पृथकीकरण और गीले कचरे से खाद बनाने के कार्य के साथ-साथ, 15वें वित्त आयोग के 'मिलियन प्लस सिटी' योजना के तहत नए संसाधन वाहनों की खरीदी को स्वीकृति दी गई। जोन-2 वैशाली नगर स्थित खेल मैदान के बेहतर संचालन, प्रबंधन और संधारण की जिम्मेदारी निजी/संस्थागत हाथों में सौंपने का निर्णय लिया गया है।

नेहरू नगर (वार्ड 4) के जी.ई. रोड स्थित गार्डन नंबर 1 से 4 के संचालन हेतु 'रुचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित करने के प्रस्ताव को सलाहकार समिति के समक्ष रखने का निर्णय लिया गया है। अवैध वाहन नीलामी और शहर में लावारिस एवं अवैध रूप से खड़े वाहनों की नीलामी तथा सुपेला एवं घासीदास नगर के सामुदायिक भवनों व शांति नगर दशहरा मैदान के खाली परिसर को किराये पर देने हेतु नए सिरे से प्रस्ताव तैयार कर अगली बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में निगम के नियमित एवं प्लेसमेंट कर्मचारियों के सेवा विस्तार और अन्य विभागीय विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में महापौर परिषद के सदस्य लक्ष्मीपति राजू, सीजू एन्थोनी, संदीप निरंकारी, एकांश बंछोर, केशव चौबे, आदित्य सिंह, लालचंद वर्मा, चंद्रशेखर गंवई, रीता सिंह गेरा, नेहा साहू सहित कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, अनिल सिंह, अरविन्द शर्मा, राजस्व अधिकारी जे.पी. तिवारी, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

आवास प्लस 2.0 को तत्काल लागू कराने सांसद विजय बघेल व जिला पंचायत सीईओ को सौंपा गया ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु/दुर्ग

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास प्लस 2.0 को तत्काल लागू कराने, पात्र हितग्राहियों को आवास स्वीकृति दिलाने तथा लंबित किश्तों के शीघ्र भुगतान की मांग को लेकर किसानझ्रमजदूर अधिकार सभा के प्रतिनिधि मंडल द्वारा माननीय सांसद विजय बघेल एवं जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) को ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन हाल ही में

चंदखुरी में आयोजित किसान-मजदूर अधिकार सभा में सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव के आधार पर दिया गया।

ज्ञापन में बताया गया कि जिला प्रशासन दुर्ग द्वारा चार से पाँच माह पूर्व आवास प्लस 2.0 के अंतर्गत सर्वे कराया गया था, लेकिन अब तक पात्र हितग्राहियों को न तो आवास की स्वीकृति मिली है और न ही निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ हो पाई है। इसके अलावा कई ग्राम पंचायतों में आवास प्लस योजना की दूसरी किश्त का भुगतान लंबित है, जिससे गरीब एवं मजदूर परिवार गंभीर आर्थिक संकट में हैं।

प्रतिनिधियों ने यह भी अवगत कराया कि जंजगिरी, महमरा, रसमड़ा एवं पिपरछेड़ी सहित अन्य ग्रामों में पात्र हितग्राहियों के नाम आवास सूची से हटाए जाने की शिकायतें सामने आई हैं, जिसकी कोई स्पष्ट वजह हितग्राहियों को नहीं बताई गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक असंतोष एवं आक्रोश की स्थिति बनी हुई है।

किसानझ्रमजदूर अधिकार सभा में पारित प्रस्ताव के अनुसार मांग की गई कि आवास प्लस 2.0 के पात्र हितग्राहियों को तत्काल आवास स्वीकृति प्रदान की जाए, जिन हितग्राहियों की दूसरी किश्त लंबित है उसका शीघ्र भुगतान किया जाए तथा सूची से हटाए गए पात्र हितग्राहियों के नामों की पुनः जांच कर उन्हें जोड़ा जाए। साथ ही पूरी प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से लागू करने की मांग रखी गई।

इस संबंध में आयोजक ढालेश साहू ने कहा कि यदि समय रहते मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो किसानों एवं मजदूरों को उनका अधिकार दिलाने के लिए आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि सांसद एवं जिला प्रशासन के हस्तक्षेप से जिले के हजारों गरीब, किसान और मजदूर परिवारों को शीघ्र न्याय मिलेगा। इस दौरान जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 12 श्रीमती प्यारी बाई निषाद, ग्राम पंचायत महमरा सरपंच श्रीमती नर्मदा ठाकुर, राकेश कौशिक, प्रभा पटेल, सुभद्रा साहू, गोदावरी देशमुख, रुक्मिणी वर्मा, सुभद्रा वर्मा, लगनी बाई, सरोज बाई, सोन बाई, दुर्पत निषाद, इंद्राणी सेन, गायत्री निषाद, उषा निषाद सहित रिसामा, जंजगिरी, अण्डा, चंदखुरी सहित ग्रामीण नागरिक उपस्थित रहे।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में 'अपशब्द' का आरोप नगरीय प्रशासन संचालक कटघरे में

अफसर-कर्मचारी संघ भड़का

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग में 21 जनवरी को हुई एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग समीक्षा बैठक अब बड़े विवाद में बदलती दिख रही है। आरोप है कि बैठक के दौरान नगरीय प्रशासन संचालक ने प्रदेशभर से जुड़े आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया। मामला सामने आते ही अधिकारी-कर्मचारी संगठनों में उबाल है और सीधे मुख्य सचिव से कार्रवाई की मांग कर दी गई है।

क्या है पूरा मामला?

21 जनवरी को निकायों के विकास कार्यों की समीक्षा के लिए आयोजित वीसी में राज्यभर के शहरी निकायों के शीर्ष अधिकारी जुड़े थे। नगरीय प्रशासन अधिकारी-कर्मचारी कल्याण संघ (छत्तीसगढ़) का आरोप है कि बैठक के दौरान संचालक द्वारा अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जो सेवा मयार्दा और प्रशासनिक आचरण के खिलाफ है। संघ ने इसे सत्ता के दुरुपयोग की श्रेणी में रखा है।

माफी या कार्रवाई–संघ का अल्टीमेटम

दुर्ग जिला अध्यक्ष राजू लाल चंद्रकार ने मांग की है कि संबंधित संचालक सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। संघ ने चेताया है कि यदि माफी नहीं दी गई, तो अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

प्रशासनिक संस्कृति पर बड़ा सवाल

यह विवाद केवल शब्दों का नहीं, बल्कि प्रशासनिक संस्कृति और कार्यस्थल सम्मान का है। वीसी जैसे औपचारिक मंच पर कथित अमर्यादित भाषा का आरोप–शासन-प्रशासन की छवि और मैदानी अफसरों के मनोबल–दोनों पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। अब निगाहें सरकार पर हैं–क्या होगी त्वरित जांच? क्या आएगा सार्वजनिक स्पष्टीकरण या कार्रवाई?

क्योंकि सवाल सिर्फ एक बैठक का नहीं, पूरे सिस्टम की गरिमा का है।

मुख्य सचिव को शिकायत, सरकार के शीर्ष तक पत्राचार

संघ के प्रांतीय अध्यक्ष राजेश सोनी ने 22 जनवरी 2026 को मुख्य सचिव को औपचारिक शिकायत पत्र भेजा। इसकी प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, विभागीय सचिव और छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के संयोजक को भी प्रेषित की गई है। पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपमानजनक भाषा अस्वीकार्य है–चाहे पद कितना ही वरिष्ठ क्यों न हो।

कार्यस्थल पर सुरक्षित व सम्मानजनक वातावरण के लिए जिला न्यायालय दुर्ग में कार्यशाला आयोजित

नई दृष्टिबिंदु/दुर्ग

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय दुर्ग के नवीन सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (ढडरल्ल अू३) के अंतर्गत महिलाओं को कार्यस्थल पर सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के दौरान वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में सरकारी एवं गैर-सरकारी दोनों ही क्षेत्रों में बड़ी संख्या में महिलाएं कार्यरत हैं। कई बार महिलाएं कार्यस्थल पर होने वाले लैंगिक उत्पीड़न अथवा अनुचित व्यवहार के विरुद्ध आवाज उठाने से डरती हैं या जानकारी के अभाव में शिकायत नहीं कर पातीं। इसी को ध्यान में रखते हुए ढडरल्ल अू३ लागू किया गया है, ताकि महिलाएं बिना किसी भय के अपनी शिकायत दर्ज कर सकें और सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण में कार्य कर सकें।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग ने अपने संबोधन में महिला कर्मचारियों के साथ घटित मामलों के उदाहरणों के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 क्यों आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे कानूनों की जानकारी एवं समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना अत्यंत आवश्यक है, जिससे महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति सजग हो सकें और किसी भी प्रकार की प्रताड़ना के विरुद्ध निर्भीक होकर आवाज उठा सकें।

उक्त कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी द्वारा रल्ली-इङ्ग७ पोर्टल (शॅुॅ.ङ्ग७.ि६ू.ङ्ग५.ल्ल) की विस्तृत जानकारी दी गई तथा बताया गया कि कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की स्थिति में महिलाएं इस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकती हैं और इसका लाभ उठा सकती हैं। इस अवसर पर चतुर्थ जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष आंतरिक शिकायत समिति, जिला न्यायालय दुर्ग ने बताया कि जिला न्यायालय दुर्ग में भी ढडरल्ल अू३ के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आंतरिक शिकायत समिति का गठन पूर्व से ही किया गया है, जिससे न्यायालय परिसर में कार्यरत महिलाओं को सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यशाला के दौरान पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से अधिनियम की प्रक्रिया, शिकायत दर्ज करने की विधि एवं महिलाओं के अधिकारों को सरल और प्रभावी ढंग से समझाया गया, जिससे प्रतिभागियों को विषय को समझने में विशेष सुविधा हुई। कार्यक्रम का समापन महिलाओं के अधिकारों की रक्षा, सुरक्षित कार्यस्थल के निर्माण एवं ढडरल्ल अू३ के प्रभावी पालन के संकल्प के साथ किया गया। यह कार्यशाला महिलाओं के प्रति संवेदनशील न्याय व्यवस्था और सुरक्षित कार्य संस्कृति की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुई।

उक्त कार्यशाला में मुख्य रूप से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग, चतुर्थ जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष आंतरिक शिकायत समिति, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के सचिव, न्यायाधीशगण, सुश्री नीता जैन, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग, श्रीमती उमा भारती अधिवक्ता, श्रीमती सावित्री तिवारी, महिला उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ न्यायिक कर्मचारी संघ तथा महिला एवं बाल विकास विभाग से श्रीमती प्रीति बाला उपस्थित रहीं।

सांध्य दैनिक 'नई दृष्टिबिंदु' के विमोचन व खबर आलोक चैनल की लांचिंग के बाद शहर में उत्साह का माहौल

नई दृष्टिबिंदु/कोहका भिलाई

सांध्य दैनिक 'नई दृष्टिबिंदु' के भव्य विमोचन एवं खबर आलोक चैनल की अधिकृत लांचिंग के बाद शहर में उत्साह और हर्ष का वातावरण देखने को मिल रहा है। पत्रकारिता के इस नए मंच के शुभारंभ पर शहर के प्रबुद्ध नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक संगठनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे निष्पक्ष और सशक्त पत्रकारिता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

भाजपा कोहका मंडल अध्यक्ष गोपाल साहू, मंडल में मंत्री दायित्व संभाल रहे धीरज सेन, भाजपा नेता सुरेश वर्मा, चंद्रशेखर नागवंशी, डॉ. दिनेश साहू, कोसा नगर से गोवर्धन साहू, मिथिलेश साहू (कोहका), भाजपा युवा मोर्चा से मनीष साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और

नागरिकों ने आर्यनगर, कोहका आईआईटी रोड स्थित कार्यालय पहुंचकर प्रधान संपादक आलोक तिवारी एवं उनकी टीम का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

विमोचन के पश्चात अलग-अलग समूहों में शहर के नागरिक कार्यालय पहुंचकर बधाई दे रहे हैं और नई दृष्टिबिंदु व आलोक चैनल को सच्ची, निर्भीक और जनहितैषी पत्रकारिता का सशक्त माध्यम बताया जा रहा है।

इसी कड़ी में आज भाजपा कोहका मंडल अध्यक्ष गोपाल साहू एवं डॉ. दिनेश साहू अपने साथियों के साथ कार्यालय पहुंचे और प्रधान संपादक आलोक तिवारी का पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर सभी ने नई मीडिया पहल को जनसमस्याओं की आवाज बनने वाला मंच बताया।

सांध्य दैनिक ह्यनई दृष्टिबिंदुह्ण के विमोचन एवं खबर आलोक चैनल की अधिकृत लांचिंग के अवसर पर उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्ध नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं एवं पत्रकार साथियों का प्रधान संपादक आलोक तिवारी एवं उनकी पूरी टीम ने हृदय से आभार व्यक्त किया।

प्रधान संपादक आलोक तिवारी ने कहा कि समाज और संगठन के प्रति निरंतर समर्पित होकर किए गए कार्य ही राजनीति में विश्वास, सम्मान और दीर्घकालिक लाभ का आधार बनते हैं। ऐसे आयोजनों में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता न केवल सामाजिक एकजुटता को मजबूत करती है, बल्कि जनता से सीधा संवाद स्थापित करने का भी सशक्त माध्यम बनती है।

उन्होंने कहा कि आज की राजनीति में वही नेतृत्व सफल होता है जो समाज के हर वर्ग से जुड़कर, सकारात्मक सोच और जनहित के कार्यों के साथ आगे बढ़ता है। संगठन और समाज के लिए लगातार सक्रिय रहना ही राजनीतिक सफलता की कुंजी है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने भी ह्यनई दृष्टिबिंदुह्ण और आलोक चैनल के माध्यम से निष्पक्ष, निर्भीक और जनसरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता को मजबूती देने का भरोसा जताया और भविष्य में भी ऐसे सामाजिक व रचनात्मक प्रयासों में सहभागिता का संकल्प लिया।

खैरागढ़-छुईखदान में 'वोट कट' की साजिश?

एसआईआर के नाम पर मुस्लिम मतदाताओं के नाम हटाने का आरोप

नई दृष्टिबिंदु/खैरागढ़

संगीत नगरी खैरागढ़ और शहीद नगरी छुईखदान में मतदाता सूची से नाम विलोपित करने को लेकर बड़ा राजनीतिक और सामाजिक बवाल खड़ा हो गया है। एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के नाम पर मुस्लिम समुदाय के सैकड़ों स्थायी मतदाताओं के नाम हटाने की कथित साजिश सामने आने के बाद कांग्रेस और जिला मुस्लिम समाज सड़कों पर उतर आया।

कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र पर सीधा हमला करार देते हुए प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।